राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 314 | शनिवार 08 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

सेना का फाइटर जेट जगुआर क्रैश, वायुसेना ने दिए जांच के आदेश

पंचकूला। हरियाणा के पंचकूला जिले में मोरनी के समीप स्थित बालदवाला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सेना का एक फाइटर जेट अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राहत की खबर यह रही कि विमान के पायलट पैराशूट की मदद से सुरक्षित उतरने में सफल रहे। घटना के कारणों का पता लगाने वायुसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। सेना के फाइटर जेट के क्रैश होने की इस घटना के बाद पूरे इलाके में डर और चिंता का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया, कि विमान के पायलट ने पैराशूट की मदद से सुरक्षित नीचे उतरने में सफल रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया और स्थिति का जायजा लिया। इस भीषण हादसे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विमान के टुकड़े दूर-दूर तक बिखर गए। भारतीय वायुसेना के अनुसार, यह जगुआर फाइटर जेट नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान अंबाला में तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पायलट ने विमान को आबादी क्षेत्र से दूर ले जाने का भरसक प्रयास किया, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचा जा सका। भारतीय वायुसेना ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी साझा करते हुए कहा, कि भारतीय वायुसेना के एक जगुआर विमान के क्रैश का कारण सिस्टम में खराबी थी। घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए वायुसेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। वायुसेना के विशेषज्ञों की टीम दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर विस्तृत जांच कर रही है। इसके साथ ही, अधिकारियों ने आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है और कहा है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जाना चाहिए।

नए सेबी प्रमुख पांडे ने कहा, पारदर्शिता सेबी के लिए अहम प्राथमिकता

मुंबई। देश की ग्रोथ को सपोर्ट देने के लिए हमें घरेलू और विदेशी निवेशकों की जरूरत है। यह बात नए सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने एक कार्यक्रम के दौरान कही। उनका यह बयान तब आया है जब शेयर बाजार बिकवाली के दौर से गुजर रहा हैं। सेबी चीफ पांडे ने कहा, 'देश ने बीते कुछ वर्षों में ग्लोबल निवेश आया है। उन्होंने कहा कि हम विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अनुकूल माहौल की जरूरत से वाकिफ हैं। सेबी चीफ ने बताया कि हमें बाजार से जुड़ी संस्थाओं में ज्यादा पारदर्शिता लाने के लिए तकनीक का उपयोग करना होगा, और इसके लिए हमें टीमवर्क की जरूरत है। इस दौरान सेबी प्रमुख ने कहा कि उनका रेगुलेटरी इश्यू पर फोकस रहेगा, और विदेशी निवेशकों के लिए रेगुलेशन और ऑपरेशन से जुड़े नियमों को और आसान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वास और पारदर्शिता बनाया रखना सबसे महत्वपूर्ण है। सेबी चीफ पांडे ने कहा कि घरेलू संस्थागत निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के चलते घरेलू ओनरशिप में वृद्धि हुई है। हालांकि, बेहतर गति के साथ विकास करने के लिए हमें घरेलू और विदेशी दोनों तरह के निवेश की आवश्यकता है। पांडे ने कहा कि पारदर्शिता सेबी के लिए अहम प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, 'निवेशकों में भरोसा बनाए रखने के लिए विश्वास और पारदर्शिता बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है।

भारत और भूटान ने सीमा से संबंधित क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की

नई दिल्ली। भारत और भूटान ने शुक्रवार को सीमा से संबंधित क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने इस मुद्दे पर संबंधित क्षेत्रीय सर्वेक्षण टीमों और अन्य हितधारकों द्वारा किए गए कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। नई दिल्ली में भारत सरकार और भूटान के अंतरराष्ट्रीय सीमा कार्यालय के अधिकारियों के बीच आयोजित दो दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीमा से संबंधित क्षेत्रीय कार्य की समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने दोनों सरकारों की प्राथमिकताओं के अनुसार सर्वेक्षण और सीमा से जुड़े कार्यों की तकनीक और क्षमता निर्माण सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की।विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारतीय पक्ष का नेतृत्व भारत के महासर्वेक्षक हितेश कुमार एस. मकवाना ने किया। भूटान सरकार में अंतर्राष्ट्रीय सीमा सचिव दाशो लेथो टी. तांगबी ने पड़ोसी देश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दोनों पक्षों ने अगले तीन फील्ड सीजन के लिए कार्य योजना को भी अंतिम रूप दिया। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'भारत और भूटान के बीच मैत्री और सहयोग के अनूठे संबंध हैं, जो आपसी विश्वास, साझा मूल्यों और सभी स्तरों पर अत्यधिक सद्भावना पर आधारित हैं। बैठक सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण माहौल में हुई और यह द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों में नियमित वार्ता की परंपरा के अनुरूप है।'

महिलाओं से किया वादा पूरा करेगी बीजेपी सरकार, दिल्लीवालों को आज मिलेंगी दो सौगातें

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार शुक्रवार दोपहर को दो बड़ी कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा करने वाली है, जिसमें 'महिला समृद्धि योजना' और होली और दिवाली के दौरान मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने की योजना शामिल है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, दिल्ली कैबिनेट आज सुबह 11 बजे होने वाली बैठक में दोनों योजनाओं को मंजूरी देगी। मंजूरी के बाद दोपहर 12 बजे के बाद जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में औपचारिक घोषणा की जाएगी।

दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव सिर्फ केन्द्र शासित प्रदेश नहीं हमारा गौरव और विरासत है : पीएम मोदी

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दादर और नगर हवेली के सिलवासा में सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने 2,587 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि वर्षों पहले मुझे यहां बहुत बार आने का अवसर मिलता था। सिलवासा और पूरा दादरा एवं नगर हवेली, दमन-दीव उस समय कितना अलग था। लोगों को भी लगता था कि समुद्र के किनारे इस छोटी सी जगह में क्या हो सकता है। लेकिन मुझे यहां के लोगों के सामर्थ्य पर भरोसा था, आप पर भरोसा था।

मोदी ने कहा कि 2014 में केंद्र में सरकार बनने के बाद हमारी सरकार ने इस भरोसे को शक्ति में परिवर्तित कर दिया, उसे आगे बढ़ाया। आज हमारा सिलवासा, ये प्रदेश एक आधुनिक पहचान के साथ उभर रहा है। सिलवासा एक ऐसा शहर बन चुका है जहां हर जगह के लोग रह रहे हैं। यहां का विश्वव्यापी मिजाज बताता है कि दादरा एवं नगर हवेली में कितनी तेजी से नए अवसरों का विकास हुआ है। इसी विकास अभियान के तहत आज यहां 2.5 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, हेल्थकेयर, शिक्षा और टूरिज्म, यानी हर क्षेत्र से जुड़े ढेर सारे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र के विकास को और गति देंगे, यहां नए अवसर पैदा होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दादरा और नगर हवेली, दमन-दीव... ये प्रदेश हमारा गर्व है, हमारी विरासत भी है। इसलिए हम इस प्रदेश को एक ऐसा मॉडल प्रदेश बना रहे हैं, जो अपने समग्र विकास के लिए जाना जाए। दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव कई योजनाओं में सैचुरेशन की स्थिति में पहुंच गए हैं। जीवन के हर आयाम में, हर जरूरत के लिए सरकार की योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वन नेशन-वन राशन कार्ड से हर व्यक्ति को भोजन की गारंटी मिली है, जल जीवन मिशन से हर परिवार तक पीने का साफ पानी पहुंच रहा है, भारतनेट से डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत हुई है, पीएम जनधन ने हर परिवार को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा है, पीएम जीवन ज्योति बीमा और पीएम सुरक्षा बीमा योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है।

मोदी ने कहा कि इन योजनाओं की सफलताओं ने यहां के लोगों को विश्वास से भर दिया है। सरकार की योजनाओं से उनके जीवन में जो सकारात्मक बदलाव आए हैं, उसके व्यापक प्रभाव दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में इस क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का काफी विस्तार हुआ है। 2023 में मुझे यहां %नमो मेडिकल कॉलेज% के उद्घाटन का अवसर मिला था। अब इसके साथ 450 बैड की क्षमता वाला एक और अस्पताल जुड़ गया है, जिसका आज यहां उद्घाटन किया गया है। आज जन औषधि दिवस भी है। जन औषधि यानी-सस्ते इलाज की गारंटी ! जन औषधि का मंत्र है - दाम कम, दवाई में दम! हमारी सरकार अच्छे अस्पताल भी बनवा रही है, आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा भी दे रही है और जन औषधि केन्द्रों के जरिए सस्ती दवाएं भी दे रही है।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं संग राहुल ने की बैठक

राहुल गांधी का गुजरात दौरा: कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की तैयारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस लीडर राहुल गांधी दो दिन के दौरे पर गुजरात पहुंचे हैं। इस बीच एयरपोर्ट पर राहुल गांधी का अनेक नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। दो दिन वे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों की मैराथन सीरीज करेंगे। इसी बीच राहुल गांधी ने वरिष्ठ नेताओं के साथ कांग्रेस दफ्तर में मीटिंग की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कांग्रेस ऑफिस में एक महत्वपूर्ण बैठक की है। इस दौरान उनके साथ संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, गुजरात प्रभारी मुकुल वासनिक और प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल मौजूद थे।

9 घंटे में 5 बैठकें करेंगे राहुल

राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस को मजबूती देने के लिए 9 घंटे में 5 महत्वपूर्ण बैठकें करने जा रहे हैं। इन बैठकों में वे प्रदेश नेताओं, जिला-स्तरीय पदाधिकारियों और वार्ड अध्यक्षों से मुलाकात करेंगे और आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए संगठन की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

शाह सीआईएसएफ स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

सीआईएसएफ ने देश के विकास में निभाई है अहम भूमिका: अमित शाह

चेन्नई (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को तमिलनाडु के रानीपेट जिले के थक्कोलम में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 56वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए।

सीआईएसएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) में गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त करने और रस्मी परेड देखने के बाद श्री शाह ने सीआईएसएफ कर्मियों का साहसिक अभ्यास देखा। इस अभ्यास में आतंकवादी ताकतों को बेअसर करना, आतंकवादी हमलों के प्रयासों को विफल करना, आतंकवादियों से 'बंधकों' को छुड़ाना, खोजी कुत्तों और अन्य मॉक ड्रिल का उपयोग करके बमों का पता लगाना तथा उनका निपटान करना शामिल था। इससे पहले, शाह ने आरटीसी पहुंचने के साथ ही इसका नाम बदलकर सदियों पहले युद्ध में शहीद हुए चोल राजकुमार की याद में राजादित्य चोलन क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) कर दिया। आरटीसी का नाम बदलकर राजदित्य चोलन के नाम पर रखने का आदेश सीआईएसएफ के महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी ने जारी किया।

शाह गुरुवार रात नई दिल्ली से विशेष विमान से अरक्कोणम स्थित आईएनएस राजाली एयर बेस पहुंचे। आईएनएस राजाली से वह रात्रि विश्राम के लिए थक्कोलम स्थित आरटीसी पहुंचे, जहां उन्होंने आरटीसी के नाम बदलने के समारोह और सीआईएसएफ के 56वें स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लिया। गुजरात और पश्चिम बंगाल से शुरू होने वाले सीआईएसएफ तटीय साइक्लोथॉन 'सुरक्षित तट, समृद्ध भारत' को थक्कोलम से वर्चुअली हरी झंडी दिखाने के बाद वह आईएनएस राजाली के लिए रवाना हुए, जहां से उन्होंने बेंगलुरु के लिए प्रस्थान किया। शाह के दौरे के मद्देनजर पुलिस ने रानीपेट, वेल्लोर और तिरुप्पत्तूर जैसे पड़ोसी जिलों तथा अरक्कोणम में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। शाह के दौरे के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत जिला प्रशासन ने दो दिनों के लिए ड्रोन और किसी भी अन्य मानव रहित हवाई वाहन की उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया है।

गौरतलब है कि सीआईएसएफ भारत के सुरक्षा तंत्र में एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में कार्य करता है। वर्तमान में, लगभग दो लाख कर्मियों के साथ, सीआईएसएफ कर्मी भारत भर में 359 प्रमुख प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करते हैं, जिनमें 25 राज्य, पाँच केंद्र शासित प्रदेश, 68 हवाई अड्डे, दिल्ली मेट्रो रेल, 103 बिजली संयंत्र, 18 परमाणु सुविधाएँ, 17 अंतरिक्ष-संबंधी प्रतिष्ठान, 47 केंद्रीय सरकारी भवन, 14 बंदरगाह, छह रक्षा प्रतिष्ठान, 37 तेल और प्राकृतिक गैस इकाइयाँ, 19 इस्पात संयंत्र और 10 कोयला खदानें शामिल हैं।

सीआईएसएफ का विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) 150 से अधिक वीआईपी को सुरक्षा प्रदान करने के अलावा विशेष अग्निशमन प्रभाग में लगभग नौ हजार कर्मियों के कार्यबल के साथ 22 राज्यों में 113 अग्निशमन स्टेशनों का प्रबंधन भी करता है।

ओडिशा में दुष्कर्म के बढ़ रहे अपराध : डबल इंजन सरकार इन्हें रोकने में असफल

भक्त चरण ने कहा- कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी, महिलाओं की आवाज बनकर करती रहेगी काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा कि ओडिशा में महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही है और राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन सरकार इन अपराधों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है, लेकिन कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी और महिलाओं की आवाज बनकर काम करती रहेगी। कांग्रेस के ओडिशा के प्रभारी अजय कुमार लल्लू तथा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने पार्टी मुख्यालय में कहा कि जिस ओडिशा में 24 साल तक बीजू जनता दल (बीजद) की सरकार रही है।

वहां 2009 में सत्ता में भागीदार रही भाजपा अब पूरे बहुमत के साथ वहां सरकार में है। भाजपा-बीजद के बीच केंद्र तथा राज्य में बार बार राजनीतिक स्वार्थ के लिए काम करते हुए समय-समय पर अपनी रणनीति को बदला है और स्वार्थ से ऊपर उठकर कभी जनता के हित खासकर महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किया। दोनों दलों ने सत्ता में रहते हुए महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा पर कभी ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीने की भाजपा सरकार में खुद मुख्यमंत्री का मानना है कि 3,420 महिलाएं और 8,403 बच्चे लापता हैं। वहीं, इन आठ महीनों में 54 सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं। ओडिशा में नाबालिग बच्चियों के बलात्कार और हत्या की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। इतना सब होने के बावजूद भाजपा की डबल इंजन सरकार चुप है।

उन्होंने दुष्कर्म की कुछ घटनाओं का विवरण देते हुए सवाल करते हुए कहा कि मलकानगिरी में एक आदिवासी रेजिडेंशियल स्कूल है, जहां एक दसवीं कक्षा की बच्ची प्रेगनेंट हो जाती है। जब वो बच्ची परीक्षा देने जाती है, तो उसका प्रसव हो जाता है। ये बेहद गंभीर मामला है। जाजपुर जिले में एक स्कूल की बच्ची अभी भी प्रेगनेंट है। मुख्यमंत्री के गृह जिले केउंझर में एक छठी कक्षा की एक बच्ची प्रेगनेंट है। केन्द्रापड़ा जिले में एक 12वीं कक्षा की छात्रा ने आत्महत्या की है और कोरापुट में नाबालिग बच्ची के साथ गैंगरेप हुआ है। आवासीय स्कूलों के लिए विजिटर होते हैं, वो कहां थे। क्या इन सभी बच्चियों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री न्याय देंगे।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ओडिशा में बच्चियों के साथ लगातार अपराध और दरिंदगी हो रही है। कांग्रेस पार्टी इन मामलों पर किसी भी हाल में चुप नहीं रहेगी। जब हमने इन अपराधों के खिलाफ आवाज उठाई, तो ओडिशा के मुख्यमंत्री कहते हैं कि बीजद सरकार में ऐसे अपराध ज्यादा हुए थे और हमारी सरकार में कम हुए हैं। मुख्यमंत्री बीजद के 24 साल के पाप के साथ अपने आठ महीने के पाप की तुलना कर रहे हैं और यह बेहद शर्मनाक है।

महाकुंभ में 30 करोड़ कमाने वाले पर सियासत शुरु, अखिलेश बोले- हिस्ट्रीशीटर का सच पता करें

प्रयागराज। प्रयागराज के अरैल इलाके में रहने वाले नाविक पिंटू महरा का परिवार महाकुंभ में नाव चलाकर करोड़पति हो गया। इसकी चर्चा खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की है। इस पर राजनीति शुरु हो गई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा है कि सच सामने आना चाहिए। और जीएसटी कितना जमा किया इसका भी खुलासा होना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर शेयर किया। जिस पर लिखा था, महाकुंभ में नाव चलाकर 30 करोड़ कमाने वाला माफिया/हिस्ट्रीशीटर निकला! सीएम योगी ने विधानसभा में तारीफ की थी। साथ ही इसे लेकर अखिलेश ने योगी सरकार से सवाल भी किया। उन्होंने लिखा कि इस समाचार की सच्चाई की पड़ताल हो। अगर सच में एक परिवार ने महाकुंभ में अकेले 30 करोड़ कमाए हैं, तो जीएसटी कितना मिला ये भी तो बताएं। 'पातालखोजी' पहले पता कर लिया करें फिर महिमामंडन किया करें। पहले ठग से एमओयू कर लिया, अब नामज़द के नाम की सदन में बंद आंखों से तारीफ़ कर दी। अब तो आंखे खोलें। इन्हीं सब वजहों से ही भाजपा सरकार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। दरअसल प्रदेश सरकार के मुताबिक, प्रयागराज के अरैल इलाके में रहने वाले नाविक पिंटू महरा का परिवार महाकुंभ में नाव चलाकर करोड़पति हो गया। पिंटू महरा का कहना है कि उन्होंने 2019 के कुंभ में नाव चलाई थी और उन्हें अनुमान था कि इस बार महाकुंभ में बहुत भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ आने वाली है। पिंटू महरा के परिवार ने महाकुंभ के पहले 70 नावें खरीदीं। पहले से उनके सौ से अधिक सदस्यों वाले परिवार में 60 नावें थीं। इस तरह इन 130 नावों को महरा परिवार ने महाकुंभ में उतार दिया।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए पर्यावरण अनुकूल पहलों को बढ़ावा देना आवश्यक: राष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को सिविल सेवा अधिकारियों से कहा कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण क्षरण की चुनौतियों से निपटने के लिए पर्यावरण अनुकूल पहलों को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से वंचितों और हाशिए पर पड़े लोगों तक पहुंचना चाहिए।

एलबीएसएनएए में 126वें प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे राज्य सिविल सेवा अधिकारियों ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से अपने कामकाज में स्थिरता और समावेशिता के सिद्धांतों को बनाए रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अधिकारियों को उनकी पदोन्नति और भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपनी नई भूमिका में दूसरों को प्रेरित करना चाहिए और उदाहरण पेश करना चाहिए तथा अपने आस-पास के लोगों को सार्वजनिक सेवा में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। राष्ट्रपति ने उन्हें प्रशासनिक कामकाज और सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में राष्ट्रीय और समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने कहा कि शासन का सार लोगों की जरूरतों के प्रति जवाबदेही और संवेदनशीलता में निहित है। नागरिक-केंद्रित प्रशासन लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देता है, गरीबों और वंचितों पर ध्यान केंद्रित करता है। उन्होंने उन्हें यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि नीतियों और कार्यक्रमों को इस तरह से लागू किया जाए, जिससे उनकी चिंताओं का प्रभावी ढंग से समाधान हो।

सड़क दुर्घटनाओं में 2030 तक 50 फीसदी की कमी लाने का लक्ष्य: नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को ग्लोबल रोड इंफ्राटेक समिट एंड एक्सपो (जीआरआईएस) में सड़क सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं की दर में 50 प्रतिशत की कमी लाना है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि भारत में 4,80,000 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें 1,80,000 मौतें होती हैं और करीब 4,00,000 लोग गंभीर रूप से घायल होते हैं। इनमें 18-45 आयु वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, खासकर दोपहिया वाहन सवार और पैदल यात्री। यहां पर गडकरी ने सड़क निर्माण कंपनियों को नई तकनीक अपनाने और सस्टेनेबल एवं रिसाइकल किए जाने वाली निर्माण सामग्री का उपयोग करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह खराब इंजीनियरिंग, अनुचित संकेतक और गलत सड़क डिजाइन है। उन्होंने स्पेन, ऑस्ट्रिया और स्विट्जरलैंड जैसे देशों से सीखकर भारत की सड़क सुरक्षा सुधारने पर जोर दिया।

जीडीपी पर असर और समाधान की अपील

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं से देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 3प्रतिशत का नुकसान होता है। उन्होंने इंजीनियरों और निर्माण कंपनियों से आह्वान किया कि वे बेहतर सड़क डिजाइन और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करें ताकि दुर्घटनाओं को कम किया जा सके।

सरकार और इंडस्ट्री का सहयोग जरूरी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए शिक्षा, जागरूकता और सुरक्षित ड्राइविंग आदतों को अपनाना बेहद जरूरी है। सरकार और निजी कंपनियों को मिलकर सुरक्षित इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर ध्यान देना होगा। ग्लोबल रोड इंफ्राटेक समिट एंड एक्सपो का आयोजन इनोवेशन को बढ़ावा देने, अत्याधुनिक समाधान पेश करने और सरकारी एवं निजी संगठनों के बीच ज्ञान और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करने के लिए किया गया। सरकार के इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए सड़क निर्माण कंपनियों, इंजीनियरों और आम जनता की भागीदारी बेहद जरूरी होगी।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएस अंशिका वर्मा को मिला वुमेन ऑइकन अवार्ड, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने किया सम्मानित

बरेली , एजेंसी। महिला दिवस से पहले आईपीएस एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने नई दिल्ली में पांचवें वार्षिक ब्रिक्स सीसीआइवीई महिला शिखर सम्मेलन में प्रतिभाग किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अंशिका वर्मा के काम पर आधारित पुस्तक का विमोचन करने के साथ ही उनको सम्मानित भी किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में कई देशों से आई महिला प्रतिनिधियों के बीच आईपीएस अंशिका वर्मा ने पुलिस के काम की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने गोरखपुर व बरेली में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी और कहा कि महिलाएं किसी क्षेत्र में कमतर नहीं हैं। वह ठान लें तो हर चुनौती का सामना कर सकती हैं। ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित शिखर सम्मेलन में महिला दिवस मनाया गया। इसमें आईपीएस अंशिका वर्मा को वुमेन ऑइकन अवार्ड से सम्मानित किया गया। अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। वह मूल रूप से प्रयागराज की निवासी हैं। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद बिना कोचिंग के सेल्फ स्टडी से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की और सफलता पाई। इस समय वह बरेली में एसपी दक्षिणी के तौर पर कार्यरत हैं। महिला उत्पीड़न, साइबर क्राइम जैसे मामलों में वह तत्परता से काम करने के लिए जानी जाती हैं।

26 करोड़ से बनेगी जर्जर सड़क, आसान बनेगा सफर

बाराबंकी , एजेंसी। देवा कस्बे से सद्दीपुर तक जाने वाली 12 किमी लंबी सड़क की बदहाली जल्दी खत्म होने वाली है। शासन ने इस सड़क के दोबारा निर्माण के लिए 26 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के करीब 110 गांव क्षेत्र से जुड़ी आबादी को आवागमन में काफी मदद मिलेगी। उनका सफर आसान व सुलभ बनेगा।

सड़क बनने से व्यापार, परिवहन और आवागमन में तेजी आएगी। किसान अपनी फसल आसानी से बाजार तक पहुंचा सकेंगे। देवा कोतवाली के बगल से सद्दीपुर होते हुए यह मार्ग मसौली के पास राष्ट्रीय राजमार्ग बाराबंकी-बहराइच रोड से मिलता है। इस मार्ग पर करीब एक सैकड़ा गांव देवगांव, जोलिया बनारस, सद्दीपुर, निवाज पुरवा, जसनवारा, मडवा, गोदहा, बेरहारा, अजगना, माधवगंज, कोड़री, जवाहरपुर, भवानी बाग, साले नगर के मजरे सरैइया के लोगों का आवागमन होता है। देवा क्षेत्र का यह मार्ग गड्ढों से पटा है। सड़क पर बेशुमार गड्ढे होने के कारण राहगीरों का चलना दूभर हो रहा है। आए दिन इन्हीं गड्ढों में गिरकर बाइक सवार चोटिल हो रहे हैं। जिसको लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी नाराजगी व्याप्त है। अधिशासी अभियंता राजीव कुमार राय ने बताया कि देवा से सद्दीपुर 12 किमी लंबी सड़क के लिए 26 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल गई है। जल्द ही निर्माण शुरू किया जाएगा।

आरोपियों की नहीं हुई गिरफ्तारी, परिजनों का हंगामा

लालगंज , एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र के सरैला मजरे मीठापुर गांव निवासी बबलू की मौत के बाद उनके परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और उन्हें जेल भेजने की मांग की। साथ ही मुआवजा न मिलने तक अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। हालांकि परिजनों ने शाम को शव का अंतिम संस्कार किया। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। बुधवार सुबह बबलू की मौत के बाद पत्नी रेनू और परिवार के लोगों ने शव का अंतिम संस्कार करने ने इनकार कर हंगामा शुरू कर दिया। जानकारी मिलते ही एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी, सीओ अनिल कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे।

एलडीए का बड़ा फैसला, अंसल में नई रजिस्ट्री पर लगी रोक

जमीन घपले की जांच के लिए फोरेंसिक ऑडिट शुरू

लखनऊ, एजेंसी। एलडीए ने शहीद पथ स्थित अंसल एपीआई की सुशांत गोल्फ सिटी हाईटेक टाउनशिप में नई रजिस्ट्री पर रोक लगा दी है। इसके अलावा टाउनशिप की फोरेंसिक ऑडिट के लिए टीम भी बनाई है, जिसने बुधवार से जांच शुरू कर दी है।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि रजिस्ट्री पर रोक को लेकर तीन महीने पहले भी जिला प्रशासन और निबंधन कार्यालय को सूचना भेजी गई थी। इसके बाद भी अंसल की ओर से कुछ रजिस्ट्री किए जाने की शिकायत आई है। अंसल के खिलाफ जो एफआईआर कराई गई है, उसमें इसका भी उल्लेख है। आगे रजिस्ट्री न हो, इसके लिए रजिस्ट्री पर रोक का आदेश फिर से जारी किया गया है। इसकी जानकारी रिसीवर को भी जा रही है। इसके अलावा सुशांत गोल्फ सिटी टाउनशिप की फोरेंसिक ऑडिट भी शुरू कराई जा रही है। ऑडिट की टीम अंसल के अभिलेखों, सम्पत्तियों, जनसुविधाओं, टाउनशिप के अंदर व बाहर कराए गए विकास कार्यों की पूरी जांच करेगी। ऑडिट के लिए मेसर्स अग्रवाल गुप्ता व अरोड़ा चार्टर्ड एकाउंटेंट कंपनी को नियुक्त किया गया है।

अंसल के बैंक खातों पर लगी रोक

अंसल प्रापर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी मामले में राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की ओर से नियुक्त रिसीवर ने अंसल के सुशांत गोल्फ सिटी के बैंक खातों के संचालन पर रोक लगा दी है। अब कंपनी के अधिकारी उन खातों से रुपये नहीं निकाल पाएंगे। इसको लेकर रिसीवर की ओर से बैंकों को पत्र भेजा गया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि खातों के संचालन के लिए नए अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे।

फाइनेंस कंपनी के बकाया पर एनसीएलटी ने अंसल के बोर्ड को भंग करते हुए नवनीत गुप्ता को रिसीवर को नियुक्त किया है। मंगलवार को रिसीवर व उनकी टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अंसल बिल्डर के ऑफिस में दस्तावेजों की जांच की थी। बुधवार को भी टीम ने दोबारा ऑफिस पहुंचकर दस्तावेजों की जांच की। कंपनी से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि रिसीवर ने बैंक खातों पर रोक लगा दी है। ऐसे में कंपनी के खातों में पड़े रुपये अब कंपनी के अधिकारी नहीं निकाल पाएंगे। रिसीवर की टीम में सात सदस्य शामिल हैं। इनकी ओर से जमीन की खरीद फरोख्त, आवंटन, जमा पैसा से लेकर रजिस्ट्री और कब्जे तक हर बिंदु पर अलग-अलग रिपोर्ट मांगी गई है। कंपनी के कर्मचारियों ने कुछ रिपोर्ट बनाकर सौंप दी हैं और कुछ तैयार कर रहे हैं।

एलडीए भी पहुंची रिसीवर की टीम

सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अंसल ऑफिस के अलावा रिसीवर की टीम मंगवार शाम एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार से भी मिली। वीसी ने टीम को बताया कि अंसल पर एलडीए की जमीनों का करीब 450 करोड़ रुपये बकाया है। एलडीए के पास जो 413 एकड़ बंधक जमीन थी, उसे भी अंसल ने बेचा है।

पूर्व एमएलसी वासुदेव के विरुद्ध 1000 से अधिक पन्नों की विजिलेंस ने दाखिल की है चार्जशीट

प्रयागराज, एजेंसी। सपा के पूर्व एमएलसी और शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव की गिरफ्तारी के बाद कई और अहम तथ्य सामने आए हैं। पता चला है कि विजिलेंस की विवेचना में आय से 293 फीसदी अधिक संपत्ति का साक्ष्य मिलने पर लगभग 1000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की गई थी। कोर्ट में हाजिर न होने पर विजिलेंस समेत अन्य थानों की पुलिस ने वासुदेव के घर पर 10 से अधिक चक्कर काटे थे। आय से अधिक संपत्ति के मामले में जनवरी 2021 विजिलेंस प्रयागराज ने वासुदेव यादव पर विभिन्न धाराओं केस दर्ज किया था। केस की चार्जशीट तैयार करने में विजिलेंस को लगभग दो वर्ष लग गए। इसके बाद वर्ष 2023 में वाराणसी की एंटी करप्शन कोर्ट में तकरीबन एक हजार पन्नों का चिट्ठा तैयार कर चार्जशीट फाइल किया। लेकिन, कोर्ट में वासुदेव के हाजिर नहीं होने पर उनको नोटिस और फिर गैर जमानती वारंट जारी किया गया। विजिलेंस के अफसरों के मुताबिक, वासुदेव का जार्ज टाउन के अलावा मूल निवास सोरांव के धोसड़ा में हैं। कोर्ट से नोटिस और वारंट के बाद थाना जार्ज टाउन, थाना सोरांव और विजिलेंस की टीम 10 से अधिक बार इनके दोनों आवासों पर चक्कर काट चुकी है। लेकिन, हर बार घर बाहर से पुलिस को वापस लौटा दिया जाता रहा है। लेकिन, मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। वहीं, बुधवार को इनके घर पर सन्नाटा पसरा रहा। मामले में जब वासुदेव की बेटी निधी यादव से बात की गई तो उन्होंने कुछ बताने से इन्कार कर दिया और कहा कि वह कुछ भी इस संबंध में बात नहीं करना चाहती हैं।

अपनी निजी वाहन से जाना चाहते थे वासुदेव: सूत्रों से पता चला है कि वासुदेव के घर पर जब विजिलेंस की टीम पहुंची तो उन्होंने पुलिस की गाड़ी में बैठने से इन्कार कर दिया। वासुदेव का कहना था कि वह अपने निजी वाहन से ही घर से बाहर निकलेंगे। लेकिन, विजिलेंस दबाव बनाया और कहा कि पुलिस की गाड़ी में बैठकर ही यहां से जाना होगा। करीब 15 मिनट के आनाकानी के बाद वह विजिलेंस की गाड़ी में बैठकर जार्ज टाउन थाना रवाना हो गए।

आदेश ताक पर: एडिशनल सीपी ने लिखा था-कभी न लगाएं पुलिस संग ड्यूटी, 10 माह बाद थाने में दे दी होमगार्ड को तैनाती

प्रयागराज , एजेंसी। नवाबगंज थाने में तैनात होमगार्ड सिद्धगोपाल त्रिपाठी के लिए एडिशनल पुलिस कमिश्नर पवन कुमार ने लिखा था कि इन्हें किसी भी थाने या कार्यालय में लगाना राजकीय हित में नहीं है। लेकिन, उन्हें 10 महीने बाद यहीं तैनाती मिल गई। इस होमगार्ड पर रिश्वत लेते दबोचे गए शृंग्वेरपुर चौकी प्रभारी के लिए धन उगाही का गंभीर आरोप था। आखिर होमगार्ड पर ऐसी कृपा किसकी शह पर बरस रही है?

नवाबगंज थाने की शृंग्वेरपुर चौकी के प्रभारी आशीष राय को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते 23 अगस्त 2022 को एंटी करप्शन टीम ने गिरफ्तार किया था। उसने शृंग्वेरपुर के अयोध्या उर्फ जोधालाल सरोज से एक मुकदमे से नाम निकालने के एवज में दोबारा रिश्वत मांगी थी।

पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि चौकी प्रभारी के लिए होमगार्ड सिद्धगोपाल त्रिपाठी वसूली करता था। तत्कालीन डीसीपी ने जांच में आरोप सही पाए। उच्चाधिकारियों को भेजी रिपोर्ट में आरोपी होमगार्ड को शीघ्र-अतिशीघ्र गंगानगर जोन से बाहर ड्यूटी लगाए जाने की अपेक्षा की।

इसके बाद तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पवन कुमार ने कमांडेंट होमगार्ड को लिखा कि होमगार्ड के विरुद्ध गंभीर आरोप/तथ्य प्रकाश में आए हैं। पूर्व में भी गंभीर आरोप लगे हैं। इनका किसी भी थाना/कार्यालय में ड्यूटी लगाया जाना राजकीय हित में नहीं है। किसी भी दशा में इस होमगार्ड की ड्यूटी किसी अन्य विभाग में लगाना सुनिश्चित करें।

सूत्रों का कहना है कि आदेश के बाद होमगार्ड को नवाबगंज थाने से हटा तो दिया गया, लेकिन पवन कुमार का 25 फरवरी 2024 को तबादला होते ही गोटियां सेट होने लगीं। हटाए जाने के 10 महीने बाद ही एक सितंबर 2024 को उसे फिर नवाबगंज थाने में तैनाती दे दी गई। अभी तक वह यहीं तैनात है।

सवाल यह है कि एडिशनल पुलिस कमिश्नर के इतने सख्त आदेश के बावजूद किसकी मांग पर उसे पुलिस में तैनाती दे दी गई। क्या एक होमगार्ड के बूते ही थाने की पूरी व्यवस्था चल रही है, जो उसकी तैनाती अपरिहार्य हो गई है? सवाल कई हैं, लेकिन जवाब पर अफसर मौन।

50 किमी की रफ्तार से चलीं पछुआ हवाओं से गिरा पारा, कई जगह चला धूल का अंधड़

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पिछले तीन दिन से चल रही पछुआ की रफ्तार बुधवार को 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को भी पार कर गई। हवा के असर से प्रदेशभर में बीते 24 घंटों में तापमान में 4 से 6 डिग्री की गिरावट आई है। साथ ही एक बार फिर से सुबह-शाम का मौसम सुहाना हो गया है। बृहस्पतिवार को भी प्रदेश में तेज हवा का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार से पछुआ की रफ्तार थमेगी, इसके बाद तापमान में बढ़त देखने को मिलेगी।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि यूपी में पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद पीछे खाली जगह भरने को चली पछुआ हवा की रफ्तार बुधवार को 51 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई। इसके असर से दिन के पारे में 4 से 6 डिग्री की गिरावट देखने को मिली। शुक्रवार के बाद हवा की रफ्तार थमेगी और अगले तीन से चार दिनों में पारा जितना गिरा है, उतना चढ़ेगा। बुधवार को 31.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ गाजीपुर प्रदेश में सबसे गर्म रहा। वहीं 9.8 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ नजीबाबाद सबसे ठंडा रहा।

पछुआ से सुहाना हुआ मौसम कल फिर लेगा करवट

राजधानी में बुधवार को दिन भर धूल भरी तेज पछुआ हवाएं चलीं। इससे दिन व रात के पारे में गिरावट आई। मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार को चली हवाओं की रफ्तार 51 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई। इससे मौसम सुहावना हो गया और और धूप की तपिश से राहत मिली। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मौसम में मिली यह राहत तात्कालिक है।

शुक्रवार से हवाओं की रफ्तार थमेगी और अगले तीन से चार दिनों में पारा जितना गिरा है, उतना ही फिर चढ़ेगा। तापमान की बात करें तो बुधवार को 4.9 डिग्री की गिरावट के साथ दिन का पारा 25.9 डिग्री और रात का पारा तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 12.5 डिग्री रिकार्ड किया गया।

मिट्टी के नीचे दबा मिला लापता मासूम का शव, भवन निर्माण में लगा है मृतक का पिता, जेसीबी चालक हिरासत में

हरदोई , एजेंसी। हरदोई जिले में हरपालपुर कोतवाली भवन के निर्माण कार्य में लगे मजदूर के बेटे का शव परिसर में ही डाली गई मिट्टी के नीचे दबा मिला। मृतक बृहस्पतिवार दोपहर से लापता था। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने जेसीबी चालक को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, बलरामपुर जनपद के पचपेड़वा थाना क्षेत्र के ग्राम सोनपुर निवासी शत्रुघ्न मजदूरी करता है।

पिछले कुछ माह से वह अपने परिवार के साथ हरपालपुर कोतवाली के निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा है। बुधवार दोपहर उसका पुत्र रोहन (6) खाना खाने के बाद कोतवाली परिसर में ही खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक गायब हो गया। देर रात पुलिस ने शत्रुघ्न की तहरीर पर अपहरण का मामला दर्ज किया। इसी बीच कोतवाली परिसर में डाली गई मिट्टी के नीचे बच्चों के दबे होने की आशंका जताई गई।

पुलिस ने जेसीबी चालक को हिरासत में लिया: इस पर बृहस्पतिवार सुबह ही जेसीबी से मिट्टी को हटाने का काम शुरू किया गया। सुबह लगभग 9:15 बजे रोहन का शव मिट्टी के नीचे से बरामद हुआ। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। शव मिलते ही उसकी मां सरिता बदहवास हो गई। पुलिस ने जेसीबी चालक को हिरासत में लिया है। मामले की जांच की जा रही है, जिसके बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

90 दिन के बाद पकड़ा गया बाघ, गांवों में मना जश्न, फोड़े गए पटाखे; एक महीने से स्कूल थे बंद

लखनऊ, एजेंसी। रहमानखेड़ा जंगल और आसपास के 60 गांवों के ग्रामीणों ने 90 दिनों बाद राहत की सांस ली है। यहां पर चहलकदमी कर रहा बाघ लोगों की दहशत का कारण बना हुआ था। बुधवार शाम बाघ आखिरकार वन विभाग की टीम के हाथ लग गया। इसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीण घरों से बाहर निकल आए। जश्न मनाया, आतिशबाजी की। अब फिर स्कूल खुलेंगे। घरों में महीनों से कैद बच्चे खुली हवा में सांस ले सकेंगे।

रहमानखेड़ा और आसपास के गांवों के लोगों बाघ का खौफ आजिज हो चुके थे। बाघ की ओर से लगातार शिकार किये जाने की खबरों से ग्रामीण दहशत बढ़ती रही थी। कई गांवों में शाम ढलते ही कर्फ्यू जैसा माहौल हो जाता था। खासतौर पर किसान और पशुपालक सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। बाघ के डर से करीब 30 स्कूलों पिछले दो महीनों से बंद थे। कई बार ग्रामीणों और वन विभाग के बीच इस मुद्दे को लेकर बातचीत हुई। ग्रामीणों ने भी तय कर लिया कि जब तक बाघ नहीं पकड़ा जाता, वो अपने बच्चों को स्कूल भेजने का जोखिम नहीं लेंगे। 90 दिन बाद बाघ की दहशत से मुक्त हुए गांवों के लोगों ने राहत की सांस ली है। अब छात्र-छात्राएं बेफिक्र होकर स्कूल जाएंगे और किसान खेत में बिना दहशत काम करेंगे।

बाघ को पकड़ने के बाद जुटी रही भीड़

बाघ को पकड़ने के बाद उसे देखने व इस पूरे हालात को देखने के लिए कई गांव के लोग भी एकत्र हो गए। वन विभाग के कर्मचारी व पुलिसकर्मी लोगों को मामले की जानकारी देने और भीड़ को संभालने में परेशान रहे।

ऑपरेशन में लगीं पांच जिलों की टीमें

बाघ को पकड़ने के लिए वन विभाग ने करीब एक करोड़ रुपये खर्च किए। ऑपरेशन में पांच जिलों, लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, उन्नाव व कानपुर की टीमें शामिल रहीं। इनमें वन कर्मी, पुलिस और वन्यजीव विशेषज्ञ शामिल थे। लखनऊ व गोरखपुर चिड़ियाघर के चिकित्सक तथा कतर्नियाघाट व दुधवा से भी डॉक्टरों की टीम को इस ऑपरेशन में लगाया गया।

2012 में 108 दिन बाद पकड़ा गया था बाघ

वर्ष 2009 में यहां पहली बार बाघ आया था। इसके बाद वर्ष 2012 में बाघ आया तो उसे 108 दिन बाद पकड़ने में कामयाबी मिली। इस बार 90 दिनों तक बाघ ने सभी को छकाया।

इन गांव के लोगों को मिलेगी राहत

बाघ पकड़े जाने से रहमानखेड़ा जंगल से सटे इलाके के खालिसपुर, इमलिया, उलरापुर, दुगौली, महमूदनगर, नई बस्ती, सहलामऊ, हाफिजखेड़ा, कुशमौरा, बुधड़िया, रसूलपुर, जमलापुर, शाहपुर, मीठेनगर, गोला कुआं, रहमतनगर, शाहपुर समेत करीब 60 गांव के लोगों को अब बाघ की दहशत से राहत मिली है।

11 प्रधान बनाए गए बाघ मित्र, गांवों में लगी पीएसी

वन विभाग व स्थानीय पुलिस के साथ प्रभावित गांवों में पीएसी तैनात की गई थी। लोगों को बाघ से बचाने व जागरूकता के लिए वन विभाग ने 11 प्रधानों को बाघ मित्र की भी जिम्मेदारी दी गई थी।

नोएडा में आयेंगे मुख्यमंत्री योगी,प्रशासन तैयारी में जुटा

फ्यूचर लाइन टाईम्स
नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल 8 मार्च को जिले में आएंगे।यहाँ मुख्यमंत्री जिले को कई सौगात दे सकते है।यहां वह सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट (सेक्टर-145 में सॉफ्टवेयर कंपनी एमएक्यू के डेवलप सेंटर) और डेटा सेंटर (सेक्टर-132 में सिफी के डेटा सेंटर प्रोजेक्ट) का लोकार्पण करेंगे।इसके अलावा सेक्टर-145 में माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के डेवलपमेंट सेंटर की भी नींव रखी जाएगी।मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत लोन पाने वाले युवाओं को चेक देकर इस योजना का प्रदेशव्यापी शुभारंभ करेंगे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन तैयारियां पूरी करने में जुटा है।कार्यक्रम के मुताबिक वह सुबह 10 बजे जारचा के एनटीपीसी पहुंचेंगे। यहां वह महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।इसके बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। कोट का पुल पर सोलर एनर्जी से जुड़ी कंपनी का लोकार्पण करेंगे। यहां से वह गौतमबुद्धनगर यूनिवर्सिटी पहुंचेंगे।अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी कर सकते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन की वजह से ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन प्लान तैयार

किया है। जिसमें तीनों जोन को शामिल किया गया है।साथ ही सभी मार्गों पर ट्रैफिक कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।ताकी ट्रैफिक उल्लघंन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

डीसीपी ट्रैफिक लखन सिंह यादव ने बताया कि नोएडा, सेंट्रल नोएडा और ग्रेटर नोएडा जोन मुख्यमंत्री का भ्रमण कार्यक्रम है। इस दौरान बीच में पड़ने वाले मार्ग ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे सेक्टर-93, 128, 132, 142, 143, 144, 145, 146, एक्सपो मार्ट, शारदा यूनिवर्सिटी के आसपास, एलजी गोल चक्कर, परी चौक, आईएफएस विला गोल चक्कर, पी-3, एच्छर चौक, होन्डा सीएल, गोल चक्कर सेक्टर-36 गोल चक्कर, सुपरटेक, नारायणा गोल चक्कर, जूवन गोलचक्कर, हायर कंपनी गोल चक्कर तथा दादरी क्षेत्र के एनटीपीसी मार्ग दादरी सिकंदराबाद वाले रोड पर कुछ समय के लिए वाहनों को रोका जाएगा। साथ ही रूट डायवर्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसी कोई समस्या होती है तो ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन नंबर 9971009001 वाट्सऐप नं 7065100100 और एक्स अकाउंट @noidatraffic से संपर्क कर सकते हैं।

आसाराम का अनुयायी तामराज नोएडा से गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद आसाराम के अनुयायी तामराज को सूरत पुलिस ने नोएडा से गिरफ्तार कर लिया। तामराज नोएडा के सेक्टर-53 में धर्म बदलकर स्टीफन बनकर रह रहा था। तामराज पर आसाराम के खिलाफ आवाज उठाने वालों व उसके खिलाफ गवाही देने वालों की हत्या का आरोप है। छह राज्यों की पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। मूलरूप से छत्तीसगढ़ निवासी तामराज उर्फ स्टीफन सूरत में तीन हत्याओं के प्रयास से लेकर कई हत्या के मामले में वांछित था। आसाराम के रसोइये अखिल गुप्ता दुष्कर्म के मामले में गवाह था। तामराज पर भी फायरिंग करने का आरोप हैं। आरापी के खिलाफ गुजरात समेत छह राज्यों में नौ मुकदमे दर्ज हैं। सूरत पुलिस उसकी जानकारी जुटा रही थी।सूरत पुलिस के मुताबिक तामराज 2021 में नोएडा आया था। यहां के आश्रम में उसकी मुलाकात ईसाई युवती से हुई थी। कुछ समय के बाद तामराज ने मनीषा से शादी कर ईसाई धर्म अपना लिया था। आसाराम के खिलाफ दुष्कर्म केस में गवाह बने रसोइये अखिल गुप्ता की वर्ष 2015 में मुजफ्फरनगर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

इस मामले में भी तामराज था आरोपी

आसाराम की गिरफ्तारी के बाद देश के कई हिस्से में उसके विरोधियों और गवाहों की हत्या हुई थी। इसी दौरान तामराज ने भी गिरोह बना लिया था। वहीं इस मामले में एडीसीपी सुमित शुक्ला का कहना है कि नोएडा पुलिस को मामले की जानकारी नहीं है। सूरत या किसी अन्य राज्य की पुलिस की ओर से सूचना नहीं दी गई है।

दो करोड़ में बनेगा शानदार स्टेडियम, दिन-रात हो सकेंगे मैच

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। जेवर क्षेत्र के रबूपुरा के युवाओं के लिए खुशखबरी है। रबूपुरा में दो करोड़ की लागत से स्टेडियम का निर्माण होगा। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि स्टेडियम के निर्माण के लिए नगर विकास विभाग से दो करोड़ रुपये का बजट पास हो गया है। बताया गया कि पहली किस्त 74 लाख रुपये की जारी हो गई है। स्टेडियम के निर्माण से कई गांवों के युवाओं को लाभ मिलेगा। रामोत्सव क्रिकेट मैदान से सटी हुई जमीन पर स्टेडियम बनेगा। बाद में इस नए स्टेडियम और रामोत्सव क्रिकेट मैदान को एक कर दिया जाएगा।स्टेडियम में बास्केटबाल, फुटबाल, कबड्डी, शूटिंग रेंज व अन्य खेलों के लिए सुविधा होगी। विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि रामोत्सव क्रिकेट मैदान में यमुना प्राधिकरण द्वारा फ्लड लाइट लगाई जाएगी। इससे दिन रात के मैच यहां हो सकेंगे। जेवर क्षेत्र के गोपालगढ़, भभोकरा व सिरसा माचीपुर गांव में भी जल्द स्टेडियम का निर्माण होगा। इन सभी स्टेडियम में बास्केटबाल, फुटबाल, कबड्डी, एथलेटिक ट्रैक, कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबाल कोर्ट बनेंगे।

खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय फलक पर लहराया परचम

जेवर क्षेत्र के खिलाड़ी प्रवीण कुमार ने पैरालिंपिक में ऊंची कूद में स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय फलक पर परचम लहराया। उन्हें राष्ट्रपति द्वारा खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा पहलवान जोंटी भाटी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रतियोगिताएं जीतकर जेवर का नाम रोशन किया है।

नोएडा मेट्रो में शानदार मौका! मोटी सैलरी के साथ जनरल मैनेजर पदों पर भर्ती

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। अगर आप मेट्रो में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आपके लिए बेहतरीन अवसर है। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (NMRC) ने जनरल मैनेजर (ऑपरेशंस और सिविल) के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक उम्मीदवार नोएडा मेट्रो की आधिकारिक वेबसाइट (nmrcnoida.com) के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। इसके बाद आवेदन प्रक्रिया बंद हो जाएगी।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एनजीओ मेले का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एनजीओ मेले का आयोजन किया गया।इस दौरान जीवाईटी इंडिया के अध्यक्ष ध्रुव प्रजापति को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जीवाईटी इंडिया के ब्रांड एंबेसडर विक्रम सेठी ने कहा कि जीवाईटी इंडिया परिवार का उद्देश्य बच्चों और युवाओं की कौशल छमता को पहचानना और उन्हें आगे बढ़ाना है। आज बच्चों और युवाओं में प्रतिभा बहुत अधिक है, लेकिन उन्हें अपनी छमता को कैसे निखारें और उसे कैसे निकालें, इसके लिए हम एक प्रयास कर रहे हैं।बता दे कि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज एक एनजीओ मेले का आयोजन किया गया, जिसमें जीवाईटी इंडिया के अध्यक्ष ध्रुव प्रजापति को गरीब बच्चों की शिक्षा और कौशल विकास में उनके सराहनीय कार्य और विशेष योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।इस मेले में जीवाईटी इंडिया के बच्चों ने अपना हुनर भी दिखाया।आदर्श ने अपनी चित्रकला के माध्यम से सभी को अपना हुनर दिखाया, जबकि अंशु ने कृष्ण जूर्नी का एक प्यारा सा रैप सॉन्ग गाकर सभी को मोहित किया। सभी ने बच्चों को बहुत सारी शुभकामनाएं दीं।यह मेला बच्चों और युवाओं की प्रतिभा को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट अवसर था, और जीवाईटी इंडिया की टीम ने इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस मौके पर कीर्ति शर्मा, बबिता मौर्या, अक्षय चौहान, आयशा, शरद और अब्दुल उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में लूट के आरोपी को लगी गोली

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को 130 मीटर सर्विस रोड पर हुई मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गाजियाबाद के ताजिम के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से तमंचा, कारतूस, चोरी किए गए पांच मोबाइल फोन, बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद की है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी का एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी का कहना है कि शुक्रवार दोपहर चेकिंग के दौरान बिना नंबर की काले रंग की बाइक पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति तिलपता गोल चक्कर की ओर से आते दिखे। जब पुलिस ने उन्हें रोकने का इशारा किया, तो वे भागने लगे और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश को गोली लगी। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को अस्पताल भेजा गया है। ताजिम का आपराधिक इतिहास लंबा है। उसके खिलाफ सूरजपुर कोतवाली, फेज-3, धौलाना और हापुड़ सहित विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास से जुड़े कुल 16 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से एक मामला थाना सूरजपुर में दर्ज धारा 305 बीएनएस का भी है। जिसमें चोरी का मोबाइल फोन बरामद हुआ है। मुठभेड़ में ताजिम का साथी अलीगढ़ का कृष्णा कुमार फरार हो गया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। कि फरार बदमाश की गिरफ्तारी के लिए कांबिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के युवाओं को मिलेगा संसद में जाने का मौका, जानिए कैसे होगा चयन?

फ्यूचर लाइन टाईम्स
गौतमबुद्ध नगर ।
07/03/2025झ भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, द्रोणाचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा के संयुक्त तत्वधान में द्विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया जा रहा है, जो युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को नीति निमार्ताओं तक पहुंचाने का अनूठा मंच प्रदान करता है। यह कार्यक्रम युवाओं को नीतिगत चचाओं, नेतृत्व विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने का अवसर देगा। इस कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर जनपद के 18 से 25 वर्ष की आयु के युवा भाग ले सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 16 मार्च 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक प्रतिभागियों को 'विकसित भारत हमारे लिए क्या मायने रखता है' विषय पर हिंदी अथवा अंग्रेजी में एक मिनट का वीडियो बनाकर माय भारत पोर्टल

स्निग्धा सिंह, जिला युवा अधिकारी, नेहरू युवा केंद्र गौतमबुद्धनगर

(https://mybharat.gov.in/pages/event_detail?event_name=VIKSIT-BHARAT-YOUTH-PARLIAMENT-DISTRICT-NODAL-LEVEL-Gautam-Buddha-Nagar&key=608101271608) अपलोड करना होगा। नेहरू युवा केंद्र गौतमबुद्धनगर की जिला युवा अधिकारी स्निग्धा सिंह ने बताया कि चयन प्रक्रिया के तहत 150 युवाओं को जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिसका आयोजन नोडल जनपद गौतमबुद्धनगर में किया जाएगा जिसमें गौतमबुद्धनगर, बागपत और गाजियाबाद जनपद के युवा शामिल होंगे। यहां से 10 विजेता राज्य स्तरीय यूथ पार्लियामेंट के लिए चयनित होंगे और उनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राष्ट्रीय स्तर के प्रतिभागियों को संसद में आयोजित विशेष सत्रों में भाग लेने और नीति-निर्माण प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव न केवल युवाओं के चिंतन और अभिव्यक्ति कौशल को निखारेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय विकास में योगदान देने की प्रेरणा भी देगा। अगर आप भारत के विकास में योगदान देने और अपने विचारों को प्रभावशाली मंच पर प्रस्तुत करने का सपना देखते हैं, तो यह आपके लिए एक शानदार अवसर है। पंजीकरण शीघ्र करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें!

महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर-45 स्थित सेतु शिक्षा ज्योति स्किल सेंटर एवं एजुकेशन स्कूल सदरपुर में आज महिला उन्नति संस्था, गौतमबुद्ध नगर के तत्वावधान में एक विशेष महिला सम्मेलन आयोजित किया गया।इस सम्मेलन का नेतृत्व संस्था की जिला अध्यक्ष रेनू बाला शर्मा ने किया। जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुजाता गर्ग ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं उनके समाधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी।इसके अलावा साइबर क्राइम समाधान केंद्र से आए थाना प्रभारी सेक्टर 39 नोएडा राजीव सिंह एवं सब-इंस्पेक्टर ज्योति चौहान ने महिलाओं को साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जागरूक किया।उन्होंने ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर स्टाकिंग और डिजिटल सुरक्षा उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की, जिससे महिलाएं इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग कर सकें।इस

अवसर पर महिला उन्नति संस्था की सीमा रावत, जिला प्रभारी,सुरेंद्र सिंह बिष्ट एवं विपिन चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं ने इसे अत्यंत उपयोगी बताया और जागरूकता बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजनों को नियमित रूप से कराने की आवश्यकता पर बल दिया।महिला उन्नति संस्था निरंतर महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी इस तरह के जागरूकता अभियान चलाती रहेगी।सेतु स्कूल कि कल्पना आहूजा, वोकेशनल स्किल हेड, ज्योति अरोरा, सेंटर हेड का विशेष आभार व्यक्त किया।

खेल परिसर में तीन टेनिस कोर्ट बनकर तैयार

फ्यूचर लाइन टाईम्स नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप की तैयारियां जोरों पर हैं। अब तक तीन टेनिस कोर्ट अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बनकर तैयार हो चुके हैं। दो का काम अंतिम चरण में है। बिल्डिंग की रंगाई-पुताई कर चमकाने का काम चल रहा है। शुक्रवार को प्राधिकरण के ओएसडी अभिषेक पाठक ने खेल परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को जायजा लिया। खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप 17 से 22 मार्च तक होगी। उदघाटन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित अन्य महत्वपूर्ण लोगों के आने की संभावना है। इसे देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी सतर्क हो गए हैं। सीईओ ने टेनिस कोर्ट के साथ पूरे खेल परिसर की आंतरिक और आसपास की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं, ताकि लोगों के बीच खेल परिसर की अच्छी छवि बन सके। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक राकेश बाबू ने बताया कि खेल परिसर में पांच टेनिस कोर्ट अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार बने हैं। 17 मार्च से शुरू हो रही द्वितीय भारतीय अंतरराष्ट्रीय सॉफ्ट चैंपियनशिप की तैयारियों के तहत अब तक तीन टेनिस कोर्ट को दुरुस्त किया जा चुका है, दो का काम चल रहा है। अगले हफ्ते तक सभी पांचों कोर्ट तैयार हो जाएंगे। आयोजकों और खेल विशेषज्ञों से सुझाव लेकर यह काम कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पांच

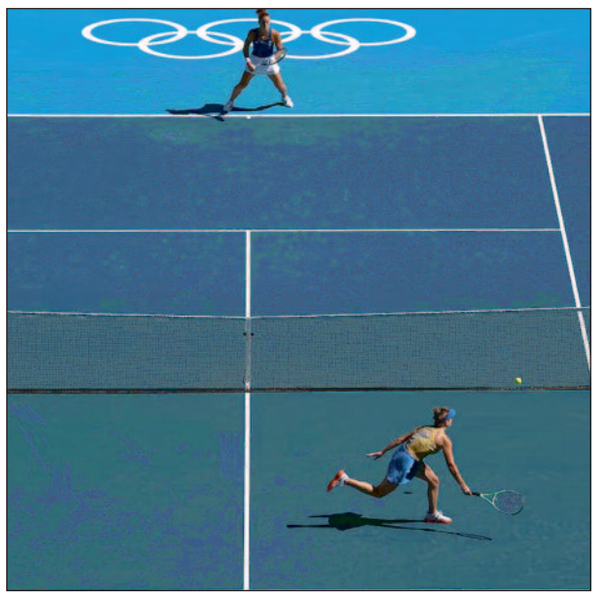

टेनिस कोर्ट में से चार कोर्ट अभ्यास के लिए, जबकि एक कोर्ट मुख्य मुकाबले के लिए बनाया गया है। प्रतियोगिता के दौरान बेहतर प्रकाश व्यवस्था के लिए बिजली से संबंधित कार्य किए जा रहे हैं। नई एलईडी लाइट लगाई जाएगी। पानी और उद्यान विभाग से संबंधित कार्य किए जाने हैं। परिसर में साफ-सफाई और रंगाई- पुताई का काम चल रहा है। चैंपियनशिप से पहले सभी तैयारियों का पूरा कर लिया जाएगा। टेनिस कोर्ट परिसर में 500-1000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है।

25 देशों के 250 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में भारत के अलावा कोरिया, जापान, थाईलैंड, फिलीपींस, कंबोडिया, वियतनाम, सिंगापुर, हंगरी, पोलैंड, मंगोलिया, जर्मनी, ब्राजील, मलेशिया,मकाओ, न्यूजीलैंड, चीन, ताइवान, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, पाकिस्तान, मालदीव सहित 25 देशों के लगभग 250 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में होने वाली अंतराष्ट्रीय सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप के आयोजन के लिए तैयारी तेज कर दी गई है। चैंपियनशिप से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो। टेनिस कोर्ट को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया गया है। इस दौरान सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था रहेगी। बिजली, पानी और उद्यान के अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला दिवस पर स्ट्राइड एंड शाइन वॉकेथॉन और वेलनेस फेस्ट का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स
नोएडा। महिलाओं की शक्ति, सुंदरता और सहनशीलता का जश्न मनाने के लिए फेलिक्स अस्पताल की ओर से महिला दिवस पर 'स्ट्राइड एंड शाइन वॉकेथॉन और वेलनेस फेस्ट' का आयोजन किया जाएगा। फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता का कहना है कि यह खास कार्यक्रम महिलाओं के स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और खुशहाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक परिधान में फेलिक्स हॉस्पिटल से बायोडायवर्सिटी पार्क तक वॉकेथॉन से होगी। इसके बाद महिलाओं के लिए कई रोचक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिनमें रैंप वॉक, जुम्बा सेशन, स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता, क्विज प्रतियोगिता और मेहंदी कॉर्नर शामिल हैं। इस खास मौके पर मशहूर पत्रकार, मोटिवेशनल स्पीकर और डिजिटल क्रिएटर ऋचा अनिरुद्ध मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी, साथ ही अन्य प्रतिष्ठित हस्तियाँ भी इस आयोजन की शोभा बढ़ाएंगी। महिलाओं की सेहत और संस्कृति को समर्पित इस विशेष वॉकेथॉन में सभी प्रतिभागी पारंपरिक परिधान पहनकर फेलिक्स हॉस्पिटल से बायोडायवर्सिटी पार्क तक कदम बढ़ाएंगे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य, देखभाल और संपूर्ण कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की जाएगी। इसका अलावा महिलाओं और बच्चों के लिए एक शानदार रैंप वॉक का आयोजन किया जाएगा, जहां वे आत्मविश्वास और सौंदर्य के साथ अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर सकेंगी। एक्सपर्ट ट्रेनर पूर्णिमा के नेतृत्व में एनर्जी से भरपूर जुम्बा सेशन, जिससे सभी प्रतिभागियों का जोश और उत्साह बढ़ेगा। सभी महिलाओं के लिए निशुल्क मेहंदी, ताकि इस जश्न को और खास बनाया जा सके।हेल्थ क्विज प्रतियोगिता, जिसमें विजेताओं के लिए रोमांचक पुरस्कार होंगे। इस कार्यक्रम में ऋचा अनिरुद्ध के अलावा अन्य प्रेरणादायक हस्तियां भी अपने अनुभव साझा करेंगी।

100 लोगों को मोबाइल फोन वापस कराए

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा पुलिस बोल रही है ," जो फोन आप यूज कर रहे है वो चोरी का है इसे वापस लौटा दीजिए" इस तरह से बात करके " मिशन सहयोग " मिशन के तहत 100 मोबाइल नोएडा वासियों को उनके सुपुर्द किए गए।ये मोबाइल सिर्फ दिल्ली एनसीआर नहीं बल्कि राजस्थान, गुजरात, हरियाणा से रिकवर किए गए। हालांकि लोगों ने काफी सपोर्ट किया और फोन नोएडा भेजे। इनमें से कुछ ऐसे भी थे जो मान नहीं रहे थे उनको लीगल एक्शन का डर भी दिखाया गया। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि इस तरह से करके करीब 100 मोबाइल रिकवर किए गए। इन मोबाइल को उनके रियल आर्नर को दिया गया।डीसीपी ने बताया कि सबसे पहले नोएडा के सभी थानों में दो साल में दर्ज फोन चोरी की शिकायतों को निकलवाया गया। उनके फोन के ईएमआई नंबर को ट्रैक किया गया। जिसमें से करीब 100 लोगों

के फोन अलग-अलग स्थानों पर चलते पाए गए। डेटा बेस के जरिए मोबाइल में चल रहे नंबर को निकाला गया। उनको आपसी सहयोग मिशन के तहत फोन किया गया।

90 प्रतिशत सहयोग से माने

इसमें से 90 प्रतिशत लोग ऐसे थे। जिनको बताया गया कि आप इस समय जो फोन यूज कर रहे है वो चोरी का है। आपके पास इसके कागज नहीं है। ये फोन वापस कर दीजिए। जिसके बाद लोगों ने कोरियर और कई लोग खुद आए और फोन वापस करके चले गए। कुछ ऐसे भी लोग थे जिनको लीगल एक्शन के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद मोबाइल वापस किए गए।

पिछले माह 200 मोबाइल किए वापस

पिछले महीने भी 200 मोबाइल फोन इसी मिशन सहयोग के तहत लोगों को वापस दिलाए गए गए थे। डीसीपी ने बताया कि ये अभियान आगे भी चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि ये मोबाइल भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, ऑटों, बसों, सुबह-शाम टहलते समय मोबाइल गिर जाते थे या कहीं छूट जाते थे। जिनके सम्बन्ध में सेंट्रल नोएडा जोन के सभी थानों में गुमशुदगी दर्ज थी।

सार्थक भागीदारी के बिना कैसे हल होंगे आधी दुनिया के मसले

महिला दिवस विशेष

प्रियंका सौरभ

केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हकों के लिए। छोटी शुरूआत ही सही, लेकिन शुरूआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफर अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। मैं एक ऐसा समाज चाहती हूँ, जहाँ बराबरी के लिए महिलाओं को बार-बार अपनी छाती पीटकर अपनी पहचान न साबित करनी पड़े, अवसर सबको मिले। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो।

केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हकों के लिए। छोटी शुरूआत ही सही, लेकिन शुरूआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफर अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। मैं एक ऐसा समाज चाहती हूँ, जहाँ बराबरी के लिए महिलाओं को बार-बार अपनी छाती पीटकर अपनी पहचान न साबित करनी पड़े, अवसर सबको मिले। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो। घर और काम की जगह पर महिला होने के नाते सहानुभूति नहीं चाहिए, सिर्फ. बराबरी चाहिए। जो स्वाभाविक हो, उसके लिए संघर्ष न करना पड़ा। निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी ना केवल उनका अधिकार है, बल्कि यह सार्वजनिक निर्णयों में उनके हितों का सम्मान करने की अनिवार्य शर्त भी है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा था कि लोकतंत्र का स्तर मूल रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण पर निर्भर करता है। इस असमानता को कम करने के लिए शिक्षा के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाना, उत्पीड़न से मुक्त और सुरक्षित वातावरण बनाना, लड़कियों को जीवन कौशल सिखाना, हिंसा को खत्म करना पहली आवश्यकता है।

हमारे देश में महिलाएँ जनसंख्या का लगभग 48% हिस्सा हैं, फिर भी वे लोकसभा सीटों के 15% से भी कम पर कब्जा करती हैं। इस महत्त्वपूर्ण अल्प प्रतिनिधित्व के परिणामस्वरूप कार्यस्थल सुरक्षा, अवैतनिक देखभाल ज़िम्मेदारियाँ और आर्थिक अधिकार जैसे महिला मुद्दों की अनदेखी होती है। इस तरह का बहिष्कार पितृसत्तात्मक मानदंडों को बनाए रखता है। फिर भी, ऐसे भेदभाव को दूर करने, कानूनी सुरक्षा बढ़ाने और संवैधानिक अधिकारों की पुष्टि करने में न्यायिक कार्यवाही महत्त्वपूर्ण रही है, हालाँकि गहरी जड़ें जमाए हुए पूर्वाग्रहों को मिटाने में उनकी सफलता अभी भी चर्चा का विषय है। महिला प्रतिनिधित्व की कमी से मातृ अधिकारों का हनन होता है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल पर भेदभाव होता है और पर्याप्त सहायता की कमी होती है। मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम 2017 सवेतन अवकाश प्रदान करता है, लेकिन निजी क्षेत्र में इसका कार्यान्वयन कम है, जो महिलाओं को कार्यबल में शामिल होने से हतोत्साहित करता है।

निर्णय लेने की प्रक्रिया से महिलाओं को बाहर रखने से महिला सशक्तिकरण की कड़ी कमजोर होती है। इसके पीछे की वजहें हैं लैंगिक पूर्वाग्रह और भेदभाव, कार्यस्थल

संस्कृति, सामाजिक और पारिवारिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी न होने से महिलाओं को दरकिनार किया जाता है। इससे दायरा सीमित हो जाता है और इस सीमित दायरे में आने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय के मुताबिक, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी ना केवल उनका अधिकार है, बल्कि यह सार्वजनिक निर्णयों में उनके हितों का सम्मान करने की अनिवार्य शर्त भी है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा था कि लोकतंत्र का स्तर मूल रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण पर निर्भर करता है। इस असमानता को कम करने के लिए शिक्षा के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाना, उत्पीड़न से मुक्त और सुरक्षित वातावरण बनाना, लड़कियों को जीवन कौशल सिखाना, हिंसा को खत्म करना पहली आवश्यकता है।

वर्तमान नीतियाँ लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान नहीं करती हैं, परिणामस्वरूप महिलाओं के लिए अपने पेशेवर और घरेलू जीवन को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कई कार्यस्थल पॉश अधिनियम 2013 का अनुपालन नहीं करते हैं, क्योंकि पुरुष-प्रधान नेतृत्व अक्सर महिलाओं की सुरक्षा की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को अनदेखा करता है। इसके अतिरिक्त, नीतियाँ महिला उद्यमियों को समान ऋण और व्यावसायिक प्रोत्साहन प्राप्त करने में पर्याप्त रूप से सहायता नहीं करती हैं, जो उनके आर्थिक सशक्तीकरण को सीमित करती हैं। हालांकि न्यायालयों ने मातृ सुरक्षा को मजबूत करके लिंग-संवेदनशील कार्यस्थलों को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई है। 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने दो महिला न्यायाधीशों को बहाल किया, इस बात पर जोर देते हुए कि गर्भावस्था से सम्बंधित बर्खास्तगी दंडनीय और अवैध दोनों है, जिससे कार्यस्थल समानता को बढ़ावा मिलता है। न्यायिक निर्णयों ने महिलाओं के लिए कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए भेदभावपूर्ण धार्मिक प्रथाओं को भी उलट दिया है। उदाहरण के लिए, 2017 में शायरा बानो मामले ने ट्रिपल तलाक को अपराध घोषित कर दिया, जिससे मुस्लिम महिलाओं के वैवाहिक अधिकार सुरक्षित हो गए।

इसके अलावा, अदालतों ने हिंदू उत्तराधिकार कानूनों में पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हुए समान उत्तराधिकार अधिकारों को बरकरार रखा है, जैसा कि 2020 में विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में देखा गया है, जिसमें पुष्टि की गई है कि बेटियों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करें। प्रतिनिधित्व में सुधार के लिए चुनावों में महिला आरक्षण विधेयक को पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। न्यायालयों को लिंग कानूनों के पालन की निगरानी और प्रवर्तन करने की आवश्यकता है, जिससे प्रभावी नीति कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। फास्ट-ट्रैक न्यायालयों को कार्यस्थल उत्पीड़न की घटनाओं के लिए त्वरित न्याय प्रदान करना चाहिए। नीतियों को महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और उद्यमिता समर्थन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए बड़े ऋण प्रदान करने के लिए मुद्रा योजना का विस्तार किया जाना चाहिए। स्कूली पाठ्यक्रम में कम उम्र से ही पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देने के लिए लिंग जागरूकता को शामिल किया जाना चाहिए। समानता-केंद्रित शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए पाठ्यपुस्तकों में लिंग-संवेदनशील सामग्री शामिल होनी चाहिए। कंपनियों के लिए गहन ऑडिट आयोजित करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे मातृत्व और उत्पीड़न विरोधी नियमों का अनुपालन करती हैं। कोई भी देश अपनी आधी आबादी को पीछे छोड़कर आगे नहीं बढ़ सकता। लिंग-संवेदनशील नीतियों को विकसित करने के लिए निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। उन्हें विधायी सुधारों, जमीनी स्तर पर शिक्षा और संस्थागत प्रवर्तन तंत्र द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक भागीदारी और कानूनी सुरक्षा को बढ़ाने से भारत के लिए वास्तव में न्यायसंगत और समावेशी शासन प्रणाली बनेगी। महिलाओं की आवाज, दृष्टिकोण और प्रतिनिधित्व की कमी को दूर करने के लिए, महिलाओं के नेतृत्व वाले संगठनों सहित महिलाओं की सार्थक भागीदारी और नेतृत्व को मानवीय कार्यवाही के सभी स्तरों पर बढ़ावा दिया जाना जरूरी है।

केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हकों के लिए। छोटी शुरूआत ही सही, लेकिन शुरूआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफर अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। मैं एक ऐसा समाज चाहती हूँ, जहाँ बराबरी के लिए महिलाओं को बार-बार अपनी छाती पीटकर अपनी पहचान न साबित करनी पड़े, अवसर सबको मिले। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो। घर और काम की जगह पर महिला होने के नाते सहानुभूति नहीं चाहिए, सिर्फ. बराबरी चाहिए। जो स्वाभाविक हो, उसके लिए संघर्ष न करना पड़ा।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ट्रंप, टैरिफ और विश्व

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में सब को चकित करने वाले जिस तरह की फैसला ले रहे हैं उसके कारण समूचा विश्व परिदृश्य बदल रहा है। अमेरिका के पारंपरिक मित्र देश उनसे दूर होते जा रहे हैं और दूसरी और पारंपरिक शत्रु देश करीब आ रहे हैं। सब कुछ इतनी तेज गति से हो रहा है कि अमेरिका के मित्र और सहयोगी देश स्तब्ध और चिंतित हैं। इस बीच बुधवार को ट्रंप ने अमेरिकी संसद को संबोधित करते हुए भारत समेत दुनिया के कई अन्य देशों पर 2 अप्रैल से पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा की है। सिटी रिसर्च नामक संस्था के अनुमान के मुताबिक ट्रंप के इस फैसले से भारत को प्रतिवर्ष करीब 7 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, मेटल, केमिकल और ज्वेलरी हो सकते हैं। ट्रंप ने साफ तौर पर कहा है कि अमेरिकी सामानों पर भारत जितना टैरिफ लगाएगा अमेरिका भी भारतीय सामानों पर उतना ही टैरिफ लगाएगा। अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य चैंबर ने चेतावनी जारी किया कि ट्रंप के टैरिफ से विश्व की अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी और 1930 की जैसी महान मंदी आ सकती है। जाहिर है यूक्रेन को लेकर ट्रंप के फैसलों के खिलाफ यूरोपीय देश एकजुट और लामबंद हो रहे हैं और अब टैरिफ में बढ़ोतरी से उनपर विपरीत असर पड़ेगा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूड़ो ने ट्रंप के टैरिफ को बेहद मूर्खतापूर्ण बताते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस को खुश करने के लिए कनाडा के खिलाफ व्यापार युद्ध शुरू किया है। चीन ने भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि अमेरिका युद्ध चाहता है, चाहे वह टैरिफ युद्ध हो, व्यापार युद्ध हो या कोई अन्य युद्ध हो। यह स्पष्ट हो गया है कि ट्रंप 'अमेरिका फर्स्ट' के तहत संरक्षणवादी आर्थिक नीतियों को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसका दुनिया भार की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक असर पड़ेगा। यदि ट्रंप मानते हैं कि चीन अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और इसलिए वह उसके साथ दोस्ताना संबंध काम करना चाहते हैं तो उन्हें यह भी याद रखना होगा कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में भारत की जरूरत पड़ेगी। भारत को टैरिफ से बचने के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से आगे बढ़ना होगा। यहां के प्रमुख निमार्ताओं को अपने उत्पादन को और अधिक गुणवत्तापूर्ण बनाना होगा ताकि उनकी मांग और बढ़े।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती। चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

सन्यास लेने से क्यों डरते हैं हमारे नेता?

राकेश अचल

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया। दुनिया के तमाम क्रिकेटर स्मिथ की तरह ही क्रिकेट से एक तय समय के बाद खुद सन्यास लेने का सार्वजनिक ऐलान करते हैं ,लेकिन दुनिया में खासतौर पर भारत में ऐसे बहुत कम नेता हैं जो स्वेच्छा से राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान करते हों। भारतीय परम्परा में तो सन्यास जीवन की सर्वोत्कृष्ट अवस्था है। सन्यास की सनातन परम्परा सामंतकाल में भी थी लेकिन लोकतंत्र में इसका परित्याग कार दिया। अकेली राजनीति ऐसी है जिसमें आश्रम व्यवस्था लागू नहीं होती । यानि न नेता ब्रम्हचर्य का पालन करता है ,न गृहस्थ रहना चाहता है और न वानप्रस्थ में जाना चाहता है ,सन्यास लेना तो बहुत दूर की बात है। राजनीति में जब कोई सन्यास नहीं लेता तो उसे मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया जाता है।

मैंने जब से होश सम्हाला है तभी से राजनीति में सक्रिय बहुत कम लोगों को राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा करते देखा है ,उलटे सन्यास ले चुके लोग राजनीति में घुसपैठ करते जरूर देखे हैं और इस समय तो राजनीति में सन्यासियों की पौ -बारह है।वे केंद्र में भी मंत्री हैं और मुख्यमंत्री भी। खिलाडियों में सन्यास लेना आम बात है लेकिन राजनीति में सन्यास लेना खास घटना मानी जाती है। नेताओं को उनकी अपनी पार्टियां जबरन हाशिये पर डाल देतीं हैं क्योंकि वे खिलाड़ियों की तरह खेल भावना से राजनीयति से सन्यास नहीं लेते। किसी भी दल में सन्यासी न हों ऐसी बात नहीं है ,लेकिन उनकी संख्या न के बराबर है। नानाजी देशमुख या कामराज या ज्योति बसु जैसे बहुत कम नेता हुए हैं जिन्होंने स्वेच्छा से सन्यास लिया हो। सवाल ये है कि आखिर राजनीति में ऐसा क्या है जो नेता उससे सन्यास नहीं लेना नहीं चाहते ? इस विषय पर न किसी ने शोध किया है और न पीएचडी की उपाधि हासिल की है ,क्योंकि इस विषय पर शोध करने की न फुरसत है और न इजाजत। मान लीजिये इजाजत मिल भी जाए तो गाइड नहीं मिलेगा। क्योंकि विषय ही अछूत है।

राजनीति से सन्यास लेने वाले भारत के प्रमुख नेताओं पर यदि आपको निबंध लिखने के लिए कह दिया जाये तो आप मुश्किल से एक-दो पृष्ठ ही लिख पाएंगे,क्योंकि राजनीति से ससम्मान सन्यास लेने वाले हैं ही गिने चुने। देश के पहले प्रधानमंत्री से लेकर आज के प्रधानमंत्री तक किसी ने राजनीति से सन्यास लेने के बारे में कार्ययोजना बनाना तो दूर, कभी सोचा तक नहीं। इस मामले में हर विचारधारा के नेता एक जैसा सोचते है। राजनीति में व्यक्ति जीवन पर्यन्त सक्रिय रहना चाहता है। कुर्सी के बिना जीवित रहना किसी भी नेता के लिए असम्भव काम है। भारतीय राजनीति में कोई सन्यास नहीं लेता लेकिन शारीरिक अस्वस्थता की वजह से उसे घर बैठना पड़े तो अलग बात है। मिसाल के तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी।

दुनिया में राजनीति ही एक मात्र ऐसा क्षेत्र है जहाँ सन्यास का न कोई लिखित विधान है और न कोई विवादास्पद इतिहास। राजनीति में कोई औरंगजेब भी तो नहीं है जिसने कम से कम पचास साल शासन किया हो।हमारे सनातन में तो राजा- महाराजा अपने जीते जी अपने उत्तराधिकारी की न सिर्फ घोषणा कर देते थे बल्कि उनका राज्याभिषेक भी करा देते थे। राजनीति में नेता अपना उत्तर्राधिकारी तो घोषत करते हैं लेकिन खुद सन्यास नहीं लेते। हमारी संसद और विधानसभाओं में पिता-पुत्र ,पति-पत्नी,भाई-भाई साथ -साथ मिल जायेंगे। राजनीति से नेताओं को सन्यास केवल मृत्यु ही दिलाती है। मुमकिन है कि मै गलत होऊं ,लेकिन मैंने तो अपनी स्मृति में अपवादों को छोड़ किसी को औपचारिक रूप से सन्यास लेते नहीं देखा। आपने देखा हो तो जरूर बताएं।

मौजूदा राजनीति में हमारे तमाम नेता 80 पार कर चुके हैं लेकिन राजनीति छोड़ने को तैयार नहीं हैं ,ये भी पता नहीं चल पता कि राजीति ने नेताओं को पकड़ रखा है या नेताओं ने राजनीति को ? अब कांग्रेस से ही शुरू कीजिये। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हो या ,श्रीमती सोनिया गाँधी सन्यास के बारे में कोई योजना अभी तक नहीं बना पायीं हैं। भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी राजनीति से सन्यास से कोई इरादा नहीं है। एनसीपी के शरद पंवार हर बार, आखरी बार कहते हैं और हर बार राजनीति से चिपके दिखाई देते हैं। राजद के लालू प्रसाद जी ने अपनी पत्नी और बेटे - बेटियों को भी स्थापित कर दिया लेकिन सन्यास की घोषणा नहीं की।

बहन मायावती तो किसी आश्रम में रहीं ही नहीं इसलिए उनके सन्यास आश्रम में जाने का सवाल ही नहीं उठता। सन्यास की उम्र तो बहन ममता बनर्जी की भी हो गयी है लेकिन वे भी इस बारे में शायद सोच नहीं पायी हैं। नीतीश कुमार भी सन्यासी नहीं बनना चाहते। समाजवादियों में भी कोई सन्यासी हो तो आप बताइये ? वाम पंथियों में एक ज्योति बासु अपवाद रहे,उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से सन्यास

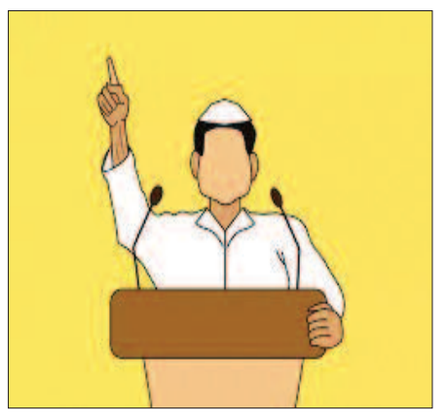

लेकर बुद्धदेव भट्टाचार्य को अपना उत्तराधिकारी बना दिया था ,अन्यथा वामपंथी भी आजन्म नेता होते हैं और मरते समय तक पोलित ब्यूरो सम्हालने का हौसला रखते हैं।

मुझे लगता है कि राजनीति में सन्यास शब्द से चिढ़ने वाले ,सन्यास को फालतू की चीज मानने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। किसी दल में कोई ऐसा नेता नहीं है जो स्मिथ की तरह ,सचिन तेंदुलकर ,कपिल देव की तरह अपने सक्रिय जीवन से सन्यास लेने की घोषणा कर अपने चाहने वालों को चौंकाए। अमेरिका में जो वाइडन साहब 80 पार कर भी सन्यासी नहीं बने ,वे तो ईसाई हैं ,उनके यहां शायद सन्यास की व्यवस्था नहीं है। वहां शायद रिटायरमेंट चलता हो लेकिन हम भारतियों की जीवन शैली में सन्यास एक खास व्यवस्था है लेकिन हमारे नेता सन्यास के नाम से ही बिदक जाते हैं। आपको यकीन न हो तो अपने क्षेत्र के किसी विधायक,संसद,मंत्री या प्रधानमंत्री से रजनीति से सन्यास लेने के बारे में प्रश्न करके देख लीजिये ? हकीकत समझ जायेंगे।

शेयर बाजार : कतई न घबराएं निवेशक

सतीश सिंह

अठाईस फरवरी को सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों के क्रैश करने के बाद भी शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी है। चूंकि, सेंसेक्स में पिछले 5 महीनों से गिरावट दर्ज की जा रही है और निफ्टी में भी 1996 के बाद यानी 29 सालों के बाद पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। लिहाजा, छोटे निवेशकों में घबराहट की स्थिति बनी हुई है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सूचकांक सेंसेक्स में कुल 30 कंपनियां सूचीबद्ध हैं और एनएसई या निफ्टी में कंपनियां सूचीबद्ध हैं। शेयर बाजार में देसी, विदेशी संस्थागत निवेशक, व्यक्तिगत विदेशी निवेशक आदि सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करते हैं। दोनों सूचकांक बेहद संवेदनशील हैं। जब सूचीबद्ध कंपनियों में से किसी खास कंपनी के शेयर की लगातार बिकवाली की जाती है तो उक्त कंपनी पर से निवेशकों का भरोसा कम हो जाता है और उस कंपनी के शेयरों की कीमत कम हो जाती है, जिससे निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी ने 100 रुपये में एक्स कंपनी का 1 शेयर खरीदा है और जब उस शेयर की कीमत घट कर 80 हो जाती है तो निवेशक को 20 रुपये का नुकसान होता है।

शेयरों की कीमत में उतार-चढ़ाव आने के कई कारण होते हैं। जैसे कंपनी का खराब वित्तीय प्रदर्शन या फिर कंपनी का किसी विवाद में पड़ना, राजनीतिक अस्थिरता, सरकार की नीतियां, डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना, वैश्विक अनिश्चितता, कारोबारी युद्ध की आशंका, भू-राजनैतिक संकट, अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा अपनाई गई नीतियां आदि। सेबी शेयर बाजार का नियामक है, लेकिन सेबी की उपस्थिति के बावजूद इसमें कृत्रिम रूप से गिरावट लाने और फिर उसे उठाने के कुछ मामले देखे गए हैं। ऐसा कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए किया जाता है, जिसमें सबसे अधिक नुकसान छोटे निवेशकों को होता है। मामले में हर्षद मेहता कांड का जिक्र किया जा सकता है। बाजार में गड़बड़ी को भांपने के लिए सतर्क रहने और बाजार को समझने की जरूरत है।

जरूरी है कि शेयर बाजार में निवेश को जीवन यापन का जरिया बनाने की कोशिश नहीं की जाए और लालच से बचा जाए। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बड़ी राशि निवेश कर रखी है, जिनमें अमेरिका पहले स्थान पर है, जबकि लक्जमबर्ग और कनाडा दूसरे एवं तीसरे स्थान पर हैं। 28 फरवरी को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 11,639 करोड़ की बिकवाली की, जबकि इस साल 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बिकवाली विदेशी संस्थागत निवेशकों ने की है। घरेलू निवेशकों ने 28 फरवरी को लगभग 8 लाख 88 हजार करोड़ रुपये की बिकवाली की। दरअसल, भारत में भीड़ के साथ चलने की परंपरा है। कुछ लोगों को बिकवाली करते देख दूसरे लोग भी उनका अनुकरण करने लगते हैं। 28 फरवरी को आईटी, टेलीकॉम, स्वास्थ्य, बैंकिंग, एफएमसीजी आदि सभी क्षेत्रों के शेयरों में बिकवाली दर्ज की गई। इसलिए, बाजार के साथ छेड़छाड़ की गुंजाइश नहीं प्रतीत हो रही है। जीडीपी के आंकड़े भी दर्शा रहे है कि विकास की रफ्तार में तेजी आ रही है।

आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने 7 फरवरी को मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की, जिससे यह 6.50 प्रतिशत से घट कर 6.25 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। गौरतलब है कि करीब 5 सालों के बाद रेपो दर में कटौती की गई है। मुख्य तौर पर महंगाई के कारण केंद्रीय बैंक रेपो दर में कटौती करने से परहेज कर रहा था। पिछले दो सालों में 14 प्रतिशत से 16 प्रतिशत के बीच ऋण वृद्धि रहने के बाद समग्र क्रेड़िट ग्रोथ बीते कुछ महीनों से धीमी हो रही है। इसका बड़ा कारण उधारी दर का महंगा होना है। दरअसल, बैंकों के पास सस्ती पूंजी नहीं है। इसलिए वे महंगी दर पर ऋण देने को मजबूर हैं। महंगी दर पर ऋण उपलब्ध होने के कारण आमजन और कारोबारी ऋण लेने से बच रहे हैं। इस वजह से, कंपनियों के पास पूंजी की कमी है, जिसके कारण वे पूरी क्षमता के साथ उत्पादन नहीं कर पा रही हैं।

बजट में सरकार ने साफ तौर पर बता दिया है कि उसका मकसद विकास को गति देना है। दिसम्बर तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर के 6.2 प्रतिशत रहने से विकास की गति में तेजी आने की उम्मीद बढक्षी है।

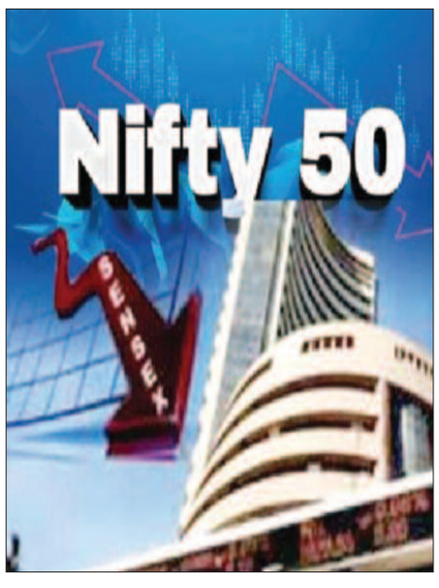

साथ ही, विकास दर में और भी इजाफा लाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कटौती की है। पुनश्चः जनवरी महीने में महंगाई में कमी आने से आगामी मौद्रिक समीक्षाओं में भी रेपो दर में कटौती करने का रास्ता साफ हो गया है, जिससे देश के विकास की रफ्तार को बल मिलेगा और जब अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो शेयर बाजार में बिकवाली की गुंजाइश कम होगी और निवेशकों को अपने निवेश पर आकर्षक प्रतिफल मिलना संभव सकेगा। इसलिए, निवेशकों को घबराने की कतई जरूरत नहीं है, उन्हें सिर्फ बेवजह बिकवाली से बचने की आवश्यकता है।

जन औषधि दिवस 2025: सीएम रेखा गुप्ता ने अशोक विहार में जन औषधि केंद्र पर लाभार्थियों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सातवें जन औषधि दिवस के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को अशोक विहार स्थित जन औषधि केंद्र पर पहुंची और वहां पर सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जन औषधि केंद्र पर आने वाले लाभार्थियों से भी मुलाकात की।

इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि 'प्रधानमंत्री जन औषधि योजना' पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई एक ऐसी परियोजना है, जिसके माध्यम से पिछले सात वर्षों में देश की जनता की 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। आज सातवां जन औषधि दिवस है।

उन्होंने आगे कहा कि हमसे पहले की सरकारों ने शायद इस जनहित योजना से खुद को और अपनी सरकार को दूर रखा, इसलिए कि इसमें 'प्रधानमंत्री' शब्द जुड़ा था, जिसके कारण उन्हें इससे जुड़ने में परेशानी थी। आज मैं दिल्ली को बधाई देना चाहूंगी, सातवें जन औषधि दिवस के अवसर पर हम दिल्ली सरकार में नियमों के तहत जहां भी जन औषधि केंद्र खोल सकते हैं, वहां उन्हें खोला जाएगा। दिल्ली में बड़ी संख्या में जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे ताकि इस योजना का लाभ दिल्ली की जनता को मिल सके। यहां बहुत ही कम कीमत पर ऐसी दवाइयां उपलब्ध हैं, जो जीवन रक्षक हैं और सामान्य दरों से 90 प्रतिशत तक सस्ती हैं। यहां तक कि बहुत महंगी दवाइयां भी 50 प्रतिशत से अधिक कम कीमत पर उपलब्ध हैं। दिल्ली की जनता का अधिकार है कि वह इस विश्वसनीय योजना से जुड़ सके।

बता दें कि हर साल 7 मार्च को 'जन औषधि दिवस' मनाया जाता है, ताकि इस योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा सके। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना ने आम जनता को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे देश के हर कोने तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचना सुनिश्चित हुआ है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सुबह धूप खिली रही और न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 3.8 डिग्री कम है। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 63 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 183 रहा जो, 'मध्यम' श्रेणी में आता है। एक्यूआई शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

आईआईटी दिल्ली 22 मार्च को यूजी-पीजी छात्रों के लिए अन्वेषण कार्यक्रम करेगा आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली आगामी 22 मार्च को अपने हौजखास परिसर में 'अन्वेषण- इनोवेशन एंड एक्सप्लोरेशन एक्रॉस डिसिप्लिन' नामक एक कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से यूजी और पीजी छात्रों के लिए है जो आईआईटी दिल्ली में उच्च शिक्षा या शोध करने में रुचि रखते हैं। आईआईटी दिल्ली में अकादमिक डीन प्रो. नारायणन डी. कुरुर ने शुक्रवार को कहा कि यह आईआईटी दिल्ली की एक अनूठी पहल है, जो स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के इच्छुक स्नातक और परास्नातक छात्रों को आईआईटी दिल्ली में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक जीवन की झलक पाने का अवसर प्रदान करती है। आईआईटी दिल्ली के संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे और विभिन्न छात्र तकनीकी क्लबों की गतिविधियों को प्रदर्शित करने वाले इंटरैक्टिव सत्र होंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कॉलेज के छात्रों के बीच शोध रुचि को बढ़ावा देना और उन्हें करियर विकल्प बनाने में मदद करना है। उन्होंने कहा कि वह सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली लोगों के साथ बातचीत करने के इस अवसर का लाभ उठाने की उम्मीद कर रहे इच्छुक छात्रों की उत्साही भागीदारी की आशा करते हैं।

निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान के तहत 428 पार्कों से 342.33 क्विंटल ठोस कचरा हटाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम में विशेष सफाई अभियान के तहत 428 पार्कों से 342.33 क्विंटल ठोस कचरा हटाया। यह पहल पार्कों की स्वच्छता और सुंदरता को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई, ताकि दिल्लीवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। दिल्ली नगर निगम ने पार्कों के लिए यह विशेष सफ़ाई अभियान पिछले सप्ताह प्रारंभ किया था जिसके अंतर्गत निगम के सभी 12 जोन के पार्कों से ठोस कचरा हटाया गया है और यह प्रक्रिया आगे भी निरंतर जारी रहेगी। दिल्ली नगर निगम नागरिकों से अपील करता है कि वे एमसीडी '311 ऐप' पर अवैध कचरा फेंकने की घटनाओं की शिकायत करें, जिससे शहर की स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिले। दिल्ली नगर निगम सार्वजनिक स्थानों की सफाई बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और स्वच्छता एवं पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रखेगा। नागरिकों से अनुरोध है कि वे सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग करें और कचरा निस्तारण संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करें।

जन औषधि केंद्रों से लोग हैं पूरी तरह संतुष्ट : बिधूड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज जन औषधि दिवस को जन औषधि केंद्र पर आए लोगों के बीच बिताया। उन्होंने इन केंद्रों पर आए लोगों से बात की। सभी लोग इन केंद्रों पर मिल रही सस्ती और क्वालिटी दवाइयों से संतुष्ट दिखाई दिए। बिधूड़ी एम्स परिसर में स्थित जन औषधि केंद्र में गए और वहां जाकर लोगों से भेंट की। जन औषधि केंद्रों पर लगभग सभी बीमारियों की जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध हैं। लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की इस योजना को आम जनता के लिए बहुत लाभकारी बताया। बिधूड़ी ने बताया कि एम्स परिसर में जन औषधि केंद्र में बड़ी संख्या में लोग दवाइयां खरीदने आते हैं। बिधूड़ी ने उनसे बात की तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की यह योजना बहुत सफल है। लोगों ने बताया कि 100 रुपए की दवाई केवल 10-12 रुपए में मिल जाती है और उनकी क्वालिटी भी उत्तम श्रेणी की है। कई लोगों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जन औषधि योजना के बाद अब दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू करने के फैसले से दिल्लीवालों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी राहत मिलेगी। सस्ती दवाइयों के साथ—साथ 10 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त हो जाएगा।

भाजपा सरकार दिल्ली में 250 मोहल्ला क्लीनिक बंद करने जा रही, ये गलत है: सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार ने कहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के समय से चल रहे राष्ट्रीय राजधानी के लगभग 250 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए जाएंगे। उनके इस बयान पर आप नेता और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने प्रतिक्रिया दी है। जैन का कहना है कि ये क्लीनिक सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए खोले थे, इन्हें बंद करना गलत है।

सत्येंद्र जैन ने कहा कि भाजपा के स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि 250 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए जाएंगे। ये क्लीनिक दिल्ली की जनता के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार ने खोले थे, जहां बुनियादी सुविधाएं, डॉक्टर की सेवाएं, मुफ्त दवाइयां और 365 टेस्ट फ्री किए जाते हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में करीब 500 मोहल्ला क्लीनिक खोले थे। बीजेपी सरकार अब 250 मोहल्ला क्लीनिक बंद करने जा रही है, जो गलत है। उन्हें तो और क्लीनिक खोलने चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में निर्देश जारी कर कहा था कि दिल्ली सरकार के पास पर्याप्त जगह है। वहां पर जरूरत के मुताबिक प्राथमिक जांच केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा था कि मोहल्ला क्लीनिक को लेकर स्वास्थ्य विभाग से रिपोर्ट मांगी गई थी, जिसमें मालूम हुआ कि लगभग 250 मोहल्ला क्लीनिक हैं, जो कि किराये पर चल रहे हैं।

उन्होंने दावा किया था कि यह मोहल्ला क्लीनिक कागजों में चल रहे हैं। पिछली आप सरकार के समय से इसका 20 से 25 हजार रुपये हर महीने किराये का भुगतान हो रहा है। इसके अलावा उन्हें मुफ्त बिजली दी जाती है। हम ऐसे मोहल्ला क्लीनिक को बंद कर देंगे।

तुगलक रोड का नाम बदलकर स्वामी विवेकानंद मार्ग करने का फैसला सराहनीय: स्वामी चक्रपाणि

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में ऐतिहासिक तुगलक रोड का नाम बदलकर स्वामी विवेकानंद मार्ग करने का निर्णय लिया गया है। इस फैसले का देशभर में स्वागत किया जा रहा है। अखिल भारत हिंदू महासभा और संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने इस कदम को जनभावनाओं का सम्मान बताते हुए सरकार की सराहना की है।

स्वामी चक्रपाणि जी ने कहा कि यह देश की सनातनी विरासत और महापुरुषों के सम्मान की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कांग्रेस के विरोध पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस को इस नाम परिवर्तन से आपत्ति है तो वह अपने घरों का नाम औरंगजेब के नाम पर रख सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब भारत में मुगलों का महिमामंडन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

देश में बदल रही है मानसिकता

स्वामी विवेकानंद भारत के महान संत, समाज सुधारक और युवाओं के प्रेरणास्रोत थे। उनके नाम पर मार्ग का नामकरण देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। हाल के वर्षों में देश में ऐतिहासिक स्थलों और सड़कों के नाम बदलकर भारतीय महापुरुषों के नाम पर रखने की एक नई परंपरा शुरू हुई है, जिसे जनता का अपार समर्थन मिल रहा है।

हिंदू महासभा का समर्थन

स्वामी चक्रपाणि ने कहा कि हिंदू महासभा इस निर्णय का पूर्ण समर्थन करती है और भविष्य में भी ऐसे कदमों को बढ़ावा देगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि देशभर में ऐसे सभी स्थानों के नाम बदले जाएं जो विदेशी आक्रांताओं से जुड़े हुए हैं।

जनता का सकारात्मक रुख

इस निर्णय पर आम जनता ने भी खुशी जताई है और सोशल मीडिया पर इस कदम की सराहना हो रही है। स्वामी विवेकानंद का नाम भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है, और उनका नाम लेना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है।

प्रधानमंत्री जी द्वारा दिल्ली को एक मजबूत महिला मुख्यमंत्री देकर महिला सशक्तिकरण के प्रति एक बड़ा संदेश दिया : कुलजीत सिंह चहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शुक्रवार को एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, जय सिंह रोड, नई दिल्ली में एनडीएमसी महिला कर्मचारी कल्याण संघ और एनडीएमसी कल्याण विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली मिलन कार्यक्रम में भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य महिला कर्मचारियों की उपलब्धियों का सम्मान करना और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद बांसुरी स्वराज उपस्थित रहीं। वहीं अन्य विशिष्ट अतिथियों में एनडीएमसी सदस्य/संरक्षक सरिता तोमर, कमिश्नर (जम्मू-कश्मीर) रश्मि सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता आरती उपाध्याय और अन्य परिषद सदस्य डी.पी सिंह, अनिल वाल्मीकि ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने मुख्य भाषण में कुलजीत सिंह चहल ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने राजनीति में 33त्न महिला आरक्षण देकर नारी सशक्तिकरण की नई लकीर खींची है। श्री चहल ने कहा कि महिलाओं पर केंद्रित विकास और महिलाओं के नेतृत्व में सरकार, के विजन के साथ देश की राजधानी दिल्ली को एक मजबूत महिला मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता को देकर देश की सभी महिलाओं के लिए एक नई शुरुआत हैं। मुख्य अतिथि बांसुरी स्वराज ने अपने संबोधन में स्वास्थ्य, प्रशासन, शिक्षा और स्वच्छता सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

वक्फ़ संपत्ति बिल के विरोध में 13 मार्च 2025 को जंतर-मंतर दिल्ली में होगा बड़ा प्रदर्शन

आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना ख़ालिद सैफुल्लाह रहमानी ने जारी की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना ख़ालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कहा है कि आगामी 13 मार्च 2025 को केंद्र सरकार की ओर से लाए गए वक्फ़ संपत्ति बिल के ख़िलाफ़ एक प्रदर्शन दिल्ली में जंतर-मंतर पर किया जाएगा।

जिसमें बड़ी संख्या में सभी लोगों और सहयोगी संस्थाओं से भाग लेने और भागीदारी करने की अपील की गई है। बोर्ड के प्रवक्ता और इस प्रदर्शन के आयोजक डॉ. सैयद क़ासिम रसूल इलियास ने बताया है कि कुछ तकनीकी कारणों से प्रदर्शन की तारीख़ बदली गई है। यह प्रदर्शन 10 मार्च की बजाय अब 13 मार्च को जंतर मंतर, दिल्ली में दिन के दस बजे से होगा। इसके अलावा, 8 मार्च को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। दस मार्च को कोलकाता के उलमा हज़रात ने विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है।

बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना ख़ालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कहा है कि आज जब चारों तरफ़ से मुसलमानों को परेशान किया जा रहा है उनकी मस्जिदों और मदरसों को निशाना बनाया जा रहा है। वक्फ़ संपत्ति बिल लाया गया है तब सभी को शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध प्रकट करना चाहिए जिसके लिए 13 मार्च को दिल्ली में जंतर-मंतर पर विरोध जताया जाएगा। ज्ञात रहे कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड से जुड़ी संस्थाओं, अन्य धार्मिक एवं राष्ट्रीय संगठनों और आम मुसलमानों ने करोड़ों की संख्या में ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) को ईमेल भेजकर और कमेटी से मुलाकात कर के स्पष्ट रूप से इस विधेयक को खारिज करने का संदेश दिया था। उनका कहना था कि यह संशोधन वक्फ़ संपत्तियों की सुरक्षा के खिलाफ है और इसे नष्ट करने के इरादे से लाया गया है। इसलिए इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए।

इसके अलावा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात कर के मुस्लिम समुदाय का रुख़ विस्तार से उनके सामने रखा गया और उन्हें स्पष्ट कर दिया गया कि यह विधेयक किसी भी हाल में स्वीकार नहीं है। ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के सदस्यों से भी व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात की गई, लेकिन सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। इन परिस्थितियों को देखते हुए, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारी समिति ने फैसला किया है कि 13 मार्च को सुबह 10 बजे दिल्ली में संसद के सामने जंतर मंतर पर एक ज़ोरदार प्रदर्शन किया जाएगा।

इस धरने में बोर्ड के सभी वरिष्ठ सदस्य, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों की शीर्ष नेतृत्व और अन्य प्रमुख हस्तियाँ शामिल होंगी। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने विपक्षी दलों और सिविल सोसाइटी संगठनों से भी अपील की है कि वे इस प्रदर्शन में शामिल होकर इस अन्याय और ज़्यादती के खिलाफ आवाज़ उठाएँ। बोर्ड के प्रवक्ता ने बताया है कि दलितों, आदिवासियों, ओबीसी समाज के सामाजिक एवं राजनीतिक नेता, सिख और ईसाई समुदाय के धार्मिक नेता भी इस प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे।

अवैध रूप से संचालित स्पा, रेस्टोरेंट एवं होटल पर कड़ी कार्रवाई करेगी निगम: महेश कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मेयर महेश कुमार ने शुक्रवार को निगम मुख्यालय में दिल्ली में अवैध रूप से चल रहे स्पा, रेस्टोरेंट एवं ओयो होटल के मुद्दे पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी मेयर रविन्द्र भारद्वाज एवं नेता सदन मुकेश गोयल भी उपस्थित रहे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मेयर ने कहा कि कल अवैध स्पा रेस्टोरेंट एवं ओयो होटल के मुद्दे पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी एवं सभी 12 क्षेत्रों के उप स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ एक बैठक की गई थी जिसमें अवैध रूप से चल रहे उपरोक्त प्रतिष्ठानों के ऊपर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सभी अधिकारियों से 2 से तीन दिन के अंदर अवैध रूप से चल रहे स्पा, ओयो होटल एवं रेस्टोरेंट की सूची देने के बारे में भी निर्देश दिए गए हैं।

मेयर महेश कुमार ने कहा कि दिल्ली नगर निगम की आम आदमी पार्टी सरकार दिल्लीवासियों की सेवा के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों की शिकायत पर अवैध स्पा, ओयो होटल एवं रेस्टोरेंट के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मेयर ने कहा कि अवैध रूप से संचालित स्पा ओयो होटल एवं रेस्टोरेंट किसी भी प्रकार का लाइसेंस शुल्क निगम को नहीं देते हैं जिसके चलते निगम को राजस्व की हानि होती है।

उन्होंने कहा कि हमने निगम के जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से ऐसे सभी प्रतिष्ठानों की जानकारी 2 से 3 दिनों के अंदर देने के लिए कहा है ताकि इन पर नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। मेयर महेश कुमार ने कहा कि दिल्ली नगर निगम की आम आदमी पार्टी की सरकार निगम के राजस्व को बढ़ाने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि निगम का राजस्व बढने से हम दिल्लीवासियों की भलाई के अधिक से अधिक कार्य करने में सक्षम हो पाएंगे।

महिला दिवस पर 'प्राइड ऑफ़ द नेशन एक्सीलेंस अवार्ड समारोह' का हुआ समापन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'रिस्पेक्ट इंडिया' द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित कार्यक्रम 'प्राइड ऑफ़ द नेशन एक्सीलेंस अवार्ड समारोह' इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस सम्मान समारोह के लिए 13 महिलाओं का चयन किया गया था। जूरी के अध्यक्ष के. जे. अल्फोंस (पूर्व केंद्रीय पर्यटन मंत्री, भारत सरकार) थे। शिक्षा,, कला-संस्कृति, खेल, प्रशासन, महिला सशक्तिकरण, चिकत्सा, विधि, कृषि, क्षेत्रों में अतुलनीय योगदान के लिए दिया जाने वाला 'प्राइड ऑफ़ द नेशन एक्सीलेंस अवार्ड 'केन्या उच्चायुक्त मैरी मुटुको, कैमरून उच्चायुक्त मेपोन सिल्वी मिचेल एप्स टीएक मैंबो, सचिव, उक्रेन दूतावास ओलेना इलचूक, पदम् श्री राज कुमारी देवी उर्फ किसान चाची (महिला उद्यमी) प्रो. रजनी अब्बी (राजनीति), किरण चोपड़ा (मीडिया), तन्वी मोपलवार (युवा उद्यमी) डॉ. गुंजन गुप्ता (चिकित्सा), डॉ. मीनाक्षी (शिक्षा), स्वरूपमा चतुर्वेदी (विधि), लक्ष्मी अग्रवाल (सामाजिक कार्यकर्ता), सागरिका बनर्जी (कला) एवं नसरीन शेख (खेल) को दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरिराज सिंह (केंद्रीय कपड़ा मंत्री), अध्यक्षता श्री बाल्मीकि प्रसाद सिंह (पूर्व राज्यपाल, सिक्किम) विशिष्ट अतिथि पदम् श्री डॉ. यश गुलाटी, प्रख्यात सर्जन) बिनोद कुमार (आईसीएएस) राजेश कुमार (सीनियर वाइस प्रेजिडेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज) डॉ. निर्मल गेहलोत अध्यक्ष, रिस्पेक्ट इंडिया) थे। मुख्य अतिथि केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारे डीएनए में महिला सशक्तिकरण सदैव हावी रहा है। स्टार्ट अप हेतु 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं का रजिस्ट्रेश हुआ है। महिला सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता है। मोदी सरकार महिला विकास, सुरक्षा और अवसर को लेकर प्रतिबद्ध है। राष्ट्र निर्माण एवं राष्ट्र के समग्र विकास में नारी शक्ति का बराबर का योगदान है। आने वाले समय में महिलओं की भूमिका और रचनात्मक होगी। पूर्व राज्यपाल बी.पी. सिंह ने कहा देश ही नहीं, विदेशों में भी भारतीय महिलाएँ इतिहास रच रही हैं। डॉ. यश गुलाटी ने कहा की सजग और समर्थ स्त्री नए भारत की आधारशिला हैं। विनोद कुमार ने कहा की स्त्री सभ्यता और संस्कृति की शिल्पकार हैं। रिस्पेक्ट इंडिया के अध्यक्ष डॉ. निर्मल गेहलोत ने समाज में महिलाओ की समानता और सक्रियता को आदर्श समाज के लिए जरुरी बतलाया यह कार्यक्रम %विकल्प आहार% के सहयोग से आयोजित किया। दौलत राम कॉलेज की टीम अनहद ने संगीतमय नृत्य प्रस्तुत किया। नर्तकी लावण्या ने कत्थक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध कर दिया। आगत अतिथियों के प्रति आभार रिस्पेक्ट इंडिया के महासचिव डॉ. मनीष के चौधरी ने दिया।

धर्मांतरण विरोधी कानून पर भड़के अरुणाचल के ईसाई संगठन

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में हाल ही में धर्मांतरण के खिलाफ एक कानून बनाया गया। इसके खिलाफ अरुणाचल प्रदेश क्रिश्चियन फोरम के बैनर तले हजारों ईसाइयों ने गुरुवार को मोर्चा खोल दिया। ईटानगर के पास विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान अरुणाचल प्रदेश स्वतंत्रता धर्म अधिनियम, 1978 के लागू किए जाने के खिलाफ आवाज उठाई गई।बता दें कि यह धर्म परिवर्तन के खिलाफ एक कानून है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश का चीन से सीमा संपर्क है और यहां हमेशा शांति बनी रही है, लेकिन इस कानून को लागू करने से राज्य में धार्मिक विभाजन बढ़ सकता है।एसीएफ के अध्यक्ष ताई मिरी ने कहा कि दो लाख से अधिक ईसाई विभिन्न संप्रदायों से ताल्लुक रखते हुए ईटानगर के पास बोरम में एकत्रित हुए। मिरी ने बताया कि पहले एसीएफ ने विधानसभा के पास घेराव करने का निर्णय लिया था, जहां वर्तमान में बजट सत्र चल रहा है। बाद में उन्होंने ईटानगर के एक टेनिस कोर्ट में विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति मांगी थी, जिसे प्रशासन ने अस्वीकार कर दिया।

मनमोहन सिंह स्मारक का रास्ता हुआ साफ, परिवार ने स्वीकारी आवंटित भूमि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के परिवार ने राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर उनके स्मारक के लिए सरकार द्वारा आवंटित भूमि को स्वीकार कर लिया है। यह स्मारक दिल्ली के राज घाट के पास समाधि परिसर में 900 वर्ग मीटर के भूखंड पर बनाया जाएगा। पिछले हफ्ते, सिंह की बेटियां उपिंदर सिंह और दमन सिंह अपने जीवनसाथी के साथ इस भूखंड का जायजा लेने गई थीं। इसके बाद, पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी गुरशरण कौर ने सरकार को एक औपचारिक स्वीकृति पत्र भेजा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, समाधि परिसर में अब केवल दो खाली हिस्से बचे हैं। इस साल जनवरी में, एक भूखंड पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के परिवार को देने का प्रस्ताव रखा गया था। वहीं, दूसरा हिस्सा जो 900 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का है और परिसर के मध्य में स्थित है, मनमोहन सिंह के परिवार को प्रस्तावित किया गया था, जिसे अब स्वीकृति मिल चुकी है। भूतपूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का यह स्मारक उनकी सादगी, नेतृत्व और भारत के आर्थिक विकास में उनके योगदान का प्रतीक होगा।

देसी हथियार जमा कर रहे मणिपुर के उग्रवादी, 3 हजार से ज्यादा घातक हथियार गायब

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में चल रहे हथियार जमा करने के अभियान में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। राज्य में पिछले कुछ समय से जारी अशांति के दौरान विभिन्न पुलिस थानों और हथियार भंडारों से लूटे गए लगभग 6,000 हथियारों में से अब तक केवल 3,000 ही जमा किए जा सके हैं। यह आंकड़ा राज्यपाल अजय कुमार भल्ला द्वारा निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम है।बता दें कि मणिपुर में अवैध रूप से प्राप्त किए गए हथियारों और गोला-बारूद को आत्मसमर्पण करने की समयसीमा 6 मार्च को समाप्त हो गई। अब तक केवल 3,000 हथियार और 37,000 राउंड गोला-बारूद बरामद हुए हैं। हालांकि, यह संख्या मई 2023 में भड़की जातीय हिंसा के दौरान पुलिस स्टेशनों और शस्त्रागारों से लूटे गए हथियारों की तुलना में बहुत कम है। अनुमान के मुताबिक, विभिन्न समूहों ने पुलिस के शस्त्रागारों से 6,000 से अधिक हथियार और करीब 6 लाख राउंड गोला-बारूद लूटे थे। इनमें अत्याधुनिक राइफलें, ग्रेनेड और मोर्टार जैसे घातक हथियार शामिल थे। इस हिंसा ने राज्य में भारी तबाही मचाई, जिसमें 200 से अधिक लोगों की जान गई और लगभग 40,000 लोग विस्थापित हुए। इसके मुकाबले 20 फरवरी से 6 मार्च के बीच आत्मसमर्पण किए गए हथियारों की संख्या बेहद कम रही। हाल ही में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लोगों से अपील की थी कि वे लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को स्वेच्छा से जमा करें। इस अपील के तहत 20 फरवरी से शुरू हुए अभियान में गुरुवार, 6 मार्च तक 1,044 हथियार और 14,779 गोला-बारूद जमा किए गए। हालांकि, यह संख्या कुल लूटे गए हथियारों का केवल आधा है। अधिकारियों का कहना है कि अभी भी 3,000 से अधिक हथियार लापता हैं, जो राज्य में शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में युवती का सिर कटा शव बरामद

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के नानपारा कोतवाली पुलिस इलाके के एक गांव में शुक्रवार सुबह नहर के करीब एक युवती की सिर कटी लाश मिली, जिसकी उम्र करीब 20 वर्ष आंकी गयी है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चूंकि शव का सिर गायब है, इसलिए अभी तक पहचान नहीं हो पायी है। नानपारा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रद्युम्न कुमार सिंह ने पीटीआई-को बताया, ''कोतवाली नानपारा अंतर्गत ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर में सरयू नहर की पटरी के निकट शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने एक युवती की सिर कटी लाश देखी। लाश का सिर गायब था।'' उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। सिर गायब होने के कारण उसकी शिनाख्त में कठिनाई आ रही है।'' सिंह ने बताया कि पुलिस शव की शिनाख्त की कोशिश कर रही है।

होली के अवसर पर रेलवे चलाएगा 250 से अधिक स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली के त्योहार को देखते हुए रेलवे ने 250 से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। होली पर उत्तर रेलवे की तैयारियों को लेकर उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि सनातन धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक होली का पर्व है। घर से दूर काम या व्यवसाय करने वाले कई लोग घर पर अपनों के साथ होली का त्योहार मनाना चाहते हैं। इसके लिए उत्तर रेलवे ने यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। हर बड़े स्टेशन जैसे नई दिल्ली, आनंद विहार और अन्य महत्वपूर्ण स्टेशनों पर जहां बड़ी संख्या में लोग ट्रेन पकड़ने आते हैं, वहां पुख्ता व्यवस्था की गई है।

स्टालिन के हिंदी विरोध की आग कर्नाटक तक पहुंची, त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध की उठने लगी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने हिंदी विरोध की जो आग सुलगाई थी, उसका धुंआ अब दूसरे राज्यों में भी दिखने लगा है। अब कर्नाटक में भी त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध होने लगा है। कर्नाटक डिवेलपमेंट अथॉरिटी ने राज्य के सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिखा है कि वे द्विभाषा नीति को ही लागू करें। अथॉरिटी प्रमुख पुरुषोत्तम बिलिमाले ने लिखा कि राज्य को दो भाषाओं की ही जरूरत है। इसमें हिंदी को शामिल नहीं करना चाहिए। कन्नड़ लैंग्वेज लर्निंग रूल्स-2017 के अनुसार प्रदेश में पढ़ने वाले सभी बच्चों को दूसरी भाषा के तौर पर कन्नड़ सीखनी होगी। यही नहीं एक अधिकारी ने कहा कि देश में भाषाई असमानता की स्थिति है। क्षेत्रीय भाषाओं की गरिमा किसी भी तरह से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं सीएम सिद्धारमैया ने भी हिंदी भाषा थोपने के खिलाफ अपनी आवाज तेज करनी होगी। इस विवाद के बीच सीएम एमके स्टालिन ने नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आखिर हिंदी के

अलावा अन्य किसी भाषा के लिए दिवस क्यों नहीं मनाया जाता। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस के अलावा संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य 21 भाषाओं के लिए कोई दिवस निर्धारित क्यों नहीं है। डीएमके के कार्यकर्ताओं को स्टालिन ने एक पत्र लिखा है, जिसका शीर्षक है, हम हमेशा हिंदी थोपने का विरोध करने वाले है। इसमें वे लिखते हैं कि क्या हिंदी की तरह अन्य 21 भाषाओं के लिए भी कोई सेलिब्रेशन डे है? आखिर हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं के साथ ऐसा पक्षपात क्यों हो रहा है।

आखिर करेंसी नोट में छपी सभी भाषाओं को देश की आधिकारिक भाषा घोषित रने में सरकार को किस चीज की हिचक है। स्टालिन ने अपने पत्र में लिखा कि यदि पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के दिलों में तमिल के लिए जगह है, तब फिर तमिल को आधिकारिक भाषा क्यों नहीं घोषित किया। उन्होंने कहा कि सोवियत संघ का बिखराव सिर्फ राजनीतिक कारणों से नहीं हुआ था। इसका एक कारण यह भी था कि देश पर रूसी भाषा थोपी जा रही थी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को नजरअंदाज किया गया। इसके चलते जब सोवियत संघ टूट गया। लेकिन आज वहीं रूसी लातविया जैसे देश में रूसी को आधिकारिक भाषा का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इतिहास में इसतरह के कई उदाहरण हैं, जब लोगों पर भाषा थोपने के कारण बिखराव हो गया। उन्होंने कहा कि मैं इसतरह के कई उदाहरण गिना सकता हूं, जब ऐसी नीतियों के चलते देश ही टूट गए। बता दें कि नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा फॉर्मूले को लेकर बात कही गई है, जिसका विरोध शुरू हो गया है। सबसे पहले तमिलनाडु से ही इसके खिलाफ आवाज उठी थी और अब कर्नाटक ने भी ऐसी ही राय जाहिर की है।

किसान संगठनों का ऐलान, 10 मार्च को आप के सभी विधायकों के घरों का घेराव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। किसानों को चंडीगढ़ जाने से रोकने पर पंजाब के तमाम संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। अब तक मोदी सरकार के खिलाफ ही मोर्चा खोलने वाले संयुक्त किसान मोर्चा ने पंजाब की भगवंत मान सरकार के खिलाफ आंदोलन का फैसला लिया है। भारतीय किसान यूनियन (लाखोवाल) के नेता हरिंदर सिंह लाखोवाल ने अब मान सरकार के सभी विधायकों के घरों का घेराव करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि हम 10 मार्च को पूरे प्रदेश में आप के विधायकों के घरों का घेराव करने वाले है। उन्होंने कहा कि आगे के आंदोलन को लेकर भी हम रणनीति बना रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि मान ने सही से बात नहीं की और जिस तरह से मीटिंग छोड़कर निकल गए। वहां बिल्कुल ठीक नहीं था। किसान नेता लाखोवाल ने कहा कि मान सरकार से असहमति जताने के लिए आप के सभी विधायकों के घरों के बाहर धरना दिया जाएगा। ये धरने 10 मार्च को सुबह 10 से दोपहर तक 3 बजे तक दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्दी ही एक ऐक्शन प्लान तैयार होगा। इसके अलावा 15 मार्च को चंडीगढ़ स्थित सीएम मान के घर का भी घेराव किया जाएगा। लाखोवाल ने कहा, 'हम इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि कैसे अपने आंदोलन को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सीएम मान ने हाल ही में किसानों से मीटिंग की थी, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। इसकी वजह थी कि मान ने मीटिंग ही आधे में छोड़ दी और किसानों की मांगों को लेकर दिलचस्पी नहीं दिखाई।

जेनेरिक दवाओं के कारण परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ : नड्डा

-अब तक 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 7 मार्च को जन औषधि दिवस दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने स्वास्थ्य सेवा को बदलकर रख दिया है। इसका मूल मंत्र सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाली किफायती दवाइयां उपलब्ध कराना हैं। नड्डा ने कहा कि देश भर में 15 हजार से अधिक जन औषधि केंद्रों के साथ, यह योजना रोजना 10 लाख लोगों की मदद करती है। जन औषधि केंद्रों पर लोगों को दवाइयां बाजार से 50 से 90 प्रतिशत कम कीमत पर मिलती हैं, इससे अब तक 30 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। इससे अनगिनत परिवारों के इलाज का बोझ कम हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना में 2,047 दवाइयां और 300 सर्जिकल सामान शामिल हैं, जो अलग-अलग स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करते हैं। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त जांच, सही खरीद प्रक्रिया और मजबूत आपूर्ति व्यवस्था का ध्यान रखा जाता है, इस पूरे काम को पीएमबीआई संभालती है। नडडा ने बताया कि भारत से बाहर भी इसका विस्तार शुरू हो गया है। पहला विदेशी जन औषधि केंद्र मॉरीशस में खोला गया। 2027 तक 25 हजार केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किफायती स्वास्थ्य सेवा और मजबूत होगी। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि अपने नजदीकी जन औषधि केंद्र पर जाएं, वहां की दवाइयों को आजमाएं और उनकी गुणवत्ता व किफायती कीमत का अनुभव करें।

'सरकार खटारा, सिस्टम नकारा, मुख्यमंत्री थका हारा', नीतीश कुमार पर तेजस्वी यादव का सीधा वार

पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने आज 'दिव्यांग अधिकार सम्मेलन' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के 11 साल और नीतीश कुमार की सरकार के 20 साल हो गए, लेकिन उन्होंने कभी भी दिव्यांगों के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं की या हल करने की कोशिश नहीं की। मैं इस सरकार के लिए कुछ पंक्तियां कहना चाहूंगा, 'सरकार खटारा, सिस्टम नकारा; मुख्यमंत्री है थका हारा, दिव्यांग फिर रहा मारा मारा'।

इससे पहले तेजस्वी यादव रसोइयों के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ये सरकार महिलाओं, रसोइयों, स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी, आशा बहनों का शोषण कर रही है। उनके साथ अन्याय कर रही है। जब हमारी

सरकार बनेगी तो हम इन सभी को न्याय दिलाने का काम करेंगे। सिर्फ़ 1600 रुपये महीना। इस महंगाई के दौर में इससे उनका क्या होगा? वे न्यूनतम मज़दूरी भी नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम आपके मुद्दे सदन में उठाएंगे। सीएम 'बेहोश' हैं, वे यह भी नहीं बता पाएंगे कि उनके पास कौन-कौन से विभाग हैं। जब तक यह सरकार बदलेगी, आपको अपने वैध अधिकार नहीं मिलेंगे पूर्व सीएम राबड़ी देवी पर सीएम नीतीश कुमार की टिप्पणी पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने उनपर निशाना साधा। तेजस्वी यादव ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार को याद रखना चाहिए कि राबड़ी देवी बिहार की पहली महिला सीएम हैं। उन पर टिप्पणी करने जैसा कुछ नहीं है। उनकी बिगड़ती सेहत से संकेत मिलता है कि वे अब बिहार चलाने में सक्षम नहीं हैं। सीएम पद की गरिमा होती है। उन्होंने राबड़ी देवी के लिए जिस भाषा का इस्तेमाल किया, वह ठीक नहीं है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि जहाँ तक उम्र का सवाल है, राजनीति में आप जितने बूढ़े होते हैं, आपकी शख्सियत उतनी ही मजबूत होती है। युवाओं में ताकत होती है और वे हर दिन सफल हो सकते हैं। मुझे लगता है कि खुद को युवा कहने वाले तेजस्वी यादव में कोई काबिलियत नहीं है। क्या वे अकेले युवा हैं? और वे कैसे सोच सकते हैं कि वे अमित शाह और नीतीश कुमार की जगह ले सकते हैं? एनडीए में भी कई काबिल युवा हैं। महागठबंधन सिर्फ़ सत्ता हथियाना चाहता है।

हम किसी पार्टी के नहीं बल्कि हिंदुत्व के प्रचारक हैं, हम बिहार आते रहेंगे

-हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर धीरेंद्र शास्त्री और आरजेडी नेता आए आमने-सामने

पटना (एजेंसी)। हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर बागेश्वर धाम के प्रमुख और कथा वाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर आमने-सामने आ गए हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने खुद को हिंदुत्व का प्रचारक बताते हुए कहा कि वह हिंदुओं के अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे, जबकि आरजेडी विधायक चंद्रशेखर ने उन पर संविधान विरोधी बयान देने का आरोप लगाया। बता दें कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बिहार में कथा करने पहुंचे हैं। यहां उन्होंने कहा कि हम किसी पार्टी के नहीं बल्कि हिंदुत्व के प्रचारक हैं। जब तक हमारे प्राण रहेंगे, हम हिंदुओं के लिए जिएंगे और उनके लिए मरेंगे। हम इस देश के हिंदुओं को जगाने के लिए आए हैं। हम भारत को बंटने नहीं देंगे। हम हिंदुओं को घटने नहीं देंगे।

धीरेंद्र ने कहा कि अगर किसी भी देश से मुसलमानों को निकाला जाएगा तो इस दुनिया में 65 मुसलमान देश हैं, जो उनका स्वागत कर लेंगे, लेकिन फिजी, सूरीनाम, पाकिस्तान, भारत, नेपाल और मॉरीशस से अगर हिंदुओं को निकाल दिया जाएगा तो फिर हिंदू कहां जाएगा? धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हमको बिहार आने से जितना रोका जाएगा, हम उतना आएंगे और कथा करेंगे। मुझे यहां आने से रोका जाएगा तो मैं यहां मकान बना लूंगा।

वहीं, उनके इस बयान पर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायक चंद्रशेखर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चंद्रशेखर ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री को जेल में डाल देना चाहिए। वह संविधान विरोधी बात करते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र बनाने की इजाजत क्या हमारा संविधान देता है। यह राम रहीम और आसाराम वाली कैटेगरी के बाबा हैं। इनकी अंदरूनी जांच होगी तो पता चल जाएगा।

पहले मायावती ने किया पार्टी में बदलाव, अब ममता भी उठाएंगी बड़ा कदम? अभिषेक ने बनाई दूरी

कोलकाता (एजेंसी)। बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी पार्टी में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। इससे राजनीति में हलचल मच गई। ये मामला शांत होता इससे पहले पश्चिम बंगाल में टीएमसी प्रमुख और राज्य की सीएम ममता बनर्जी भी क्या इसी तरह के फैसले लेने जा रही हैं। इस तरह का सवाल उठाया जा रहा है। इसकी वजह ये है कि टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में हुई वोटर लिस्ट जांच की महत्वपूर्ण बैठक से गायब रहने के बाद नई अटकलें तेज हो गई हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा पिछले हफ्ते गठित की गई उच्च स्तरीय समिति की यह पहली पहली बैठक थी।

टीएमसी की बैठक में सब्रता बक्शी के बाद दूसरे स्थान पर होने के बावजूद अभिषेक बनर्जी बैठक में शामिल नहीं हुए। इससे पार्टी के अंदर हलचल मच गई है। कुछ पार्टी नेताओं ने उनकी अनुपस्थिति को मामूली बताया, जबकि अन्य ने यह ध्यान दिलाया कि ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से यह कहा था कि सभी चुनाव संबंधी कार्य टीएमसी मुख्यालय से ही होंगे न कि कहीं और से। इससे पार्टी के भीतर नई अटकलें लगाई जा रही हैं।गुरुवार की बैठक में टीएमसी नेताओं ने विभिन्न जिलों में

वोटर लिस्ट की जांच का जिम्मा सौंपा। सब्रता बक्शी को दक्षिण कोलकाता का जिम्मा सौंपा गया, जबकि अभिषेक को दक्षिण 24 परगना की जिम्मेदारी दी गई। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने सुझाव दिया कि अभिषेक की अनुपस्थिति पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से अधिक विकेन्द्रीकृत कार्य प्रणाली की ओर बढ़ने का संकेत हो सकती है। यह बैठक भाजपा पर चुनावी लिस्ट में गड़बड़ियों का आरोप लगाने के टीएमसी के व्यापक प्रयास का हिस्सा थी। इससे पहले टीएमसी नेताओं ने जिला कार्यकर्ताओं से मिलकर डोर टू डोर जांच के परिणामों पर चर्चा की थी और भाजपा पर फर्जी वोटरों को लिस्ट में जोड़ने का आरोप लगाया था। पिछले हफ्ते ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि भाजपा ने बाहरी लोगों को वोटरों को लिस्ट में जोड़ा है। इस कार्य में चुनाव आयोग की कथित मदद ली है।

मायावती ने की मदरसों को सील करने पर उत्तराखंड सरकार की आलोचना

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को उत्तराखंड सरकार की देहरादून में मदरसों को सील करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की और इसे 'द्वेषपूर्ण' तथा 'गैर-धर्मनिरपेक्ष कदम' करार देते हुए सरकार से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले फैसलों से बचने की अपील की। उनकी यह टिप्पणी देहरादून जिले में 15 मदरसों को सील किये जाने के बाद आई है। जिला प्रशासन ने उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद से पंजीकरण के बिना चल रहे मदरसों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सरकार धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाली ऐसी द्वेषपूर्ण व गैर सेक्युलर कार्रवाईयों से जरूर बचे।''

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस नेता उदित राज पर भी निशाना साधा। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में

कहा, ''बहुजन समाज के हितों के प्रति समर्पित संगठनों ने बसपा और उसकी मजबूत नेतृत्व क्षमता के खिलाफ एक घमंडी और अहंकारी कांग्रेस नेता की निराधार टिप्पणी की निंदा की है। लोगों को ऐसे तत्वों से सावधान रहना चाहिए।'' दरअसल, उदित राज ने बृहस्पतिवार को कहा था कि बसपा से निष्कासित किए गए आकाश आनंद तथा कांशीराम के आंदोलन से जुड़े सभी लोगों को कांग्रेस में शामिल होकर संविधान बचाने की लड़ाई लड़नी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि आकाश आनंद को दो बार बसपा का राष्ट्रीय समन्वयक बनाना और फिर पार्टी से निकालना इस बात को दर्शाता है कि बसपा का संचालन भारतीय जनता पार्टी कर रही है। मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती (15 मार्च) को मिशनरी भावना के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''मैं मान्यवर कांशीराम जी की जयंती 15 मार्च को पूर्ण मिशनरी भावना से मनाने की अपील करती हूं। इसी संबंध में मैंने आज सुबह लखनऊ में 'बहुजन समाज प्रेरणा केंद्र' और बसपा कार्यालय का दौरा किया।''

नाइट्रोजन प्रदूषण की मात्रा दोगुनी होने से समुद्री जीवों पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 1980 के बाद से मानवीय गतिविधियों के कारण नाइट्रोजन प्रदूषण की मात्रा दोगुनी हुई है। बांग्लादेश और म्यांमार के तटीय क्षेत्रों में भी नाइट्रोजन जमाव में बढ़ोतरी हुई है। एक अध्ययन में विश्लेषण किया गया कि दक्षिण एशिया में वायु प्रदूषण समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को कैसे प्रभावित कर रहा है। इस पर ध्यान दिया गया है कि जीवाश्म ईंधन जलाने और कृषि गतिविधियों से निकलने वाली नाइट्रोजन उत्तरी हिंद महासागर पर क्या असर डालती है। फ्रांस के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया और पाया कि इससे महासागर की जैविक उत्पादकता प्रभावित हो रही है।

हालांकि महासागर में उर्वरक जैसी प्रक्रियाएं नाइट्रोजन जमाव के प्रभाव को संतुलित कर सकती हैं। विशेष रूप से मध्य अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी हिस्सों में जहां महासागर का जलस्तर बढ़ा है। वहां नाइट्रोजन का जमाव 70 से 100 फीसदी तक बढ़ गया है। महासागर में प्रारंभिक जैव उत्पादकता का तात्पर्य उन सूक्ष्म जीवों से है। जो प्रकाश संश्लेषण या रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग करके कार्बनिक पदार्थों का निर्माण करते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र के तापमान में वृद्धि हुई है। जिससे जल स्तर बढ़ा और पानी की घनत्व-आधारित परतें बन गईं। मानसून भी इस जटिलता को और बढ़ा देता है। यह महासागर की सतह और गहराई के बीच पोषक तत्वों के प्रवाह पर असर डालती है, जिससे प्रारंभिक और द्वितीयक उत्पादकों को जरुरी पोषक तत्व मिलते हैं। अरब क्षेत्र से उड़कर आने वाली धूल में मौजूद लोहे के कण भी इस प्रक्रिया को तेज करते हैं।

उपग्रह के चित्रों की मदद से नाइट्रोजन जमाव और महासागर के तापमान बढ़ने के प्रभाव का विश्लेषण किया। पता चला है कि प्रारंभिक फाइटोप्लैंकटन और जूप्लैंकटन की उत्पादकता के कुछ स्थानों पर तेजी से बढ़ोतरी हुई है। वहीं कुछ क्षेत्रों में पोषक तत्वों की कमी देखी गई। विशेष रूप से पश्चिमी अरब सागर में 100 मीटर से नीचे कार्बन के होने की पुष्टि हुई, जबकि दक्षिण-पूर्वी अरब

सागर और मध्य बंगाल की खाड़ी में उत्पादकता सबसे कम रही। इन क्षेत्रों में समुद्र के गर्म होने के कारण पोषक तत्वों की आपूर्ति सीमित हो गई है, जिससे नाइट्रेट की गहराई बढ़ी है।

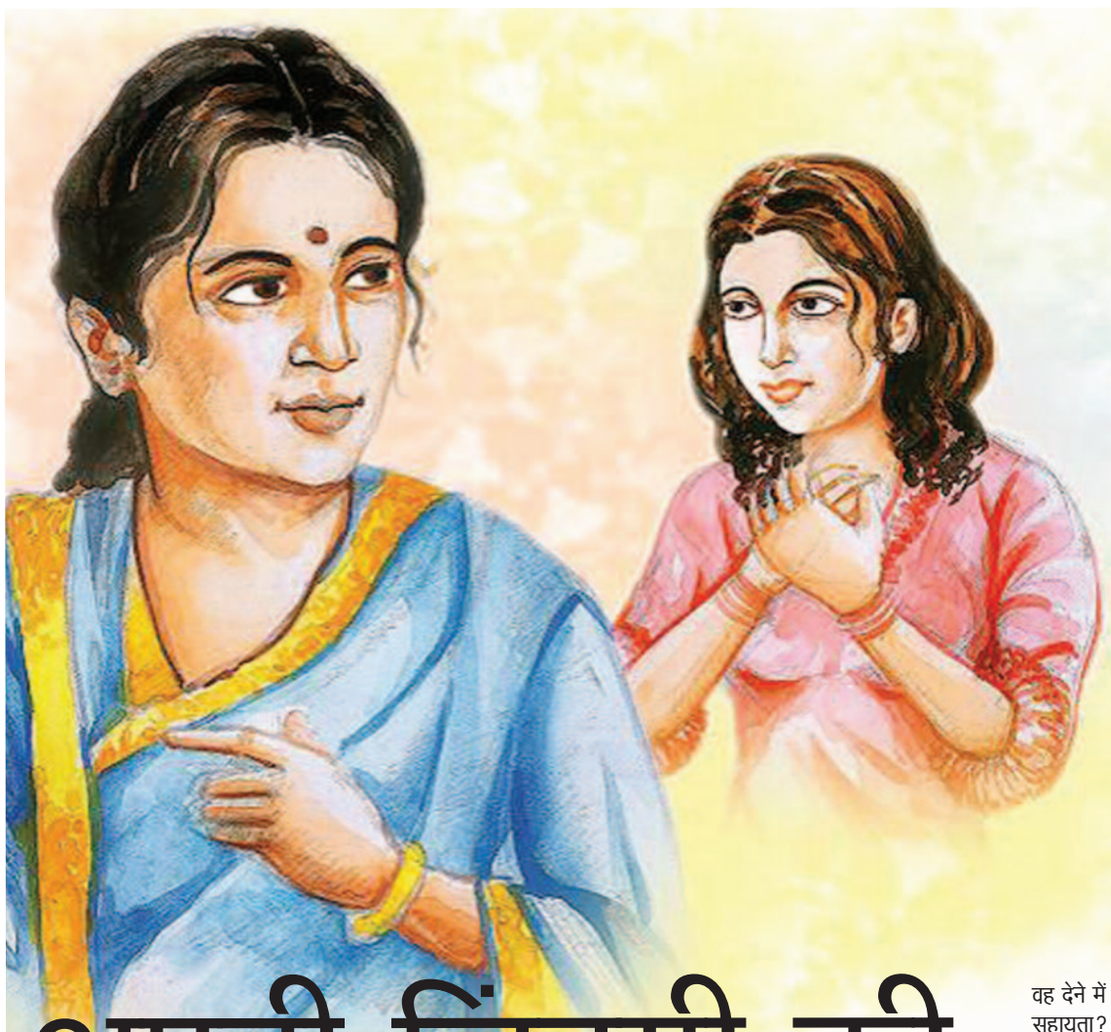

भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताः। अर्थात, जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु वर्तमान में जो हालात दिखाई देते हैं, उसमें नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे 'भोग की वस्तु' समझकर आदमी 'अपने तरीके' से 'इस्तेमाल' कर रहा है। यह बेहद चिंताजनक बात है। लेकिन हमारी संस्कृति को बनाए रखते हुए नारी का सम्मान कैसे किय जाए, इस पर विचार करना आवश्यक है।

अपनी जिंदगी की महानायिका हैं आप

वह नायिका है .उसके आने से आती है एक मधुर सुगंधित आहट। आहट त्योहार की। आहट रास, उल्लास और श्रृंगार की। आहट आस्था, अध्यात्म और उच्च आदर्शों के प्रतिस्थापन की। सुंदर सुकोमल फूलों की वादियों के बीच खुल जाती है खुशबू की महकती राहें, उसके आने से। नायिका जो बिखेरती है चारों तरफ खुशियों के खूब सारे खिलते-खिलखिलाते रंग। उसके कई रंग है, हर रंग में एक आस है, विश्वास है और अहसास है। उसके रूप में संस्कृति है, सुरूचि है और सौंदर्य है। वही केन्द्र में है, वही परिधि.हर कोने में सुव्यक्त होती है उसकी शक्ति। उस दिव्य शक्ति के बिना किसी त्योहार, किसी पर्व, किसी रंग और किसी उमंग की कल्पना संभव नहीं है। हमारे समस्त रीति-रिवाज, तीज-त्योहार या अनुष्ठान-विधान हमारी नायिका के हाथों ही संपन्न होते हैं। इस धरा की महकती मिट्टी की महिमा है कि नायिका इतने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठापित है। सदियों पूर्व इसी सौंधी वसुंधरा पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपना विराट स्वरूप दिखाते हुए कहा था -

'कीर्तिः श्री वार्क्च नारीणां
स्मृति मेर्धा धृतिः क्षमा।'

अर्थात नारी में मैं, कीर्ति, श्री, वाक, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा हूं।

दूसरे शब्दों में इन नारायण तत्वों से निर्मित नारी ही नारायणी है। संपूर्ण विश्व में भारत ही वह पवित्र भूमि है, जहां नारी अपने श्रेष्ठतम और पवित्र रूपों में अभिव्यक्त हुई है। हमारी आर्य संस्कृति में नायिका अतिविशिष्ट स्थान रहा है। आर्य चिंतन में तीन अनादि तत्व माने गए हैं - परब्रह्म, माया और जीव। माया, परब्रह्म की आदिशक्ति है एवं जीवन के सभी क्रियाकलाप उसी की इच्छाशक्ति होते हैं। ऋग्वेद में माया को ही आदिशक्ति कहा गया है उसका रूप अत्यंत तेजस्वी और ऊर्जावान है। फिर भी वह परम कारूणिक और कोमल है। जड़-चेतन सभी पर वह निस्पृह और निष्पक्ष भाव से अपनी करूणा बरसाती है। प्राणी मात्र में आशा और शक्ति का संचार करती है। देवी भागवत के अनुसार -'समस्त विधाएं, कलाएं, ग्राम्य देवियां और सभी नारियां इसी आदिशक्ति की अंशरूपिणी हैं। एक सूक्त में देवी कहती हैं -

'अहं राष्ट्री संगमती बसना
अहं रूद्राय धनुरातीमि'

अर्थात - 'मैं ही राष्ट्र को बांधने और ऐश्वर्य देने वाली शक्ति हूं। मैं ही रूद्र के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाती हूं। धरती, आकाश में व्याप्त हो मैं ही मानव त्राण के लिए संग्राम करती हूं।'

विविध अंश रूपों में यही आदिशक्ति सभी देवताओं की परम शक्ति कहलाती हैं, जिसके बिना वे सब अपूर्ण हैं, अकेले हैं, अधूरे हैं। हमारी यशस्वी संस्कृति स्त्री को कई आकर्षक संबोधन देती है। मां कल्याणी है, पत्नी गृहलक्ष्मी है। बिटिया राजनंदिनी है और नवेली बहू के कुंकुम चरण ऐश्वर्य लक्ष्मी आगमन का प्रतीक है। हर रूप में वह आराध्या है। पौराणिक आख्यान कहते हैं कि अनादिकाल से नैसर्गिक अधिकार उसे स्वतः ही प्राप्त हैं। कभी मांगने नहीं पड़े हैं। वह सदैव देने वाली है। अपना सर्वस्व देकर भी वह पूर्णत्व के भाव से भर उठती है। जल, थल, अग्नि, गगन और समीर इन्हीं पंचतत्वों को मिलाकर ही सृष्टिकर्ता ने 'उसे' भी रचा है। उसके सुंदर सपने भी उम्मीद भरे आकार ग्रहण करते हैं। 'वह' भी अनुभूतियों की मधुरतम सुगंध से सराबोर होना चाहती है। मंदिर की खनकती सुरीली घंटियों-सी 'उसकी' खिलखिलाहट भी चहुंओर बिखर जाना चाहती है। महत्वाकांक्षा की आम्रमंजरियां 'उसके' भी मन-उपवन को महकाना चाहती हैं, किंतु यथार्थ.वह समाज में सिर्फ 'देह' समझी जाती है। उसके सपने आकार ग्रहण करें, उससे पहले बिखेर दिए जाते हैं, अनुभूतियां छल-कपट का शिकार हो छटपटाती रह जाती हैं, उसकी हंसी कुकृत्य की कड़वाहट के कुहास में दफना दी जाती है और महत्वाकांक्षा कैक्टस में परिवर्तित हो हमेशा की चुभन बन जाती है। ऐसा क्या चाहा है उसने इस समाज से, जो वह देने में सक्षम नहीं है सहारा, सुविधा, संसाधन और सहायता? नहीं। उसने हमेशा एक सुंदर, संस्कारित, उच्च मानवीय दृष्टिकोण वाला सभ्य परिवेश चाहा है। अपनी सहृदयता से उसे नैतिक संबल और सुअवसर दीजिए कि वह सिद्ध कर सके - अपने व्यक्तित्व को, अपनी विशिष्टता को। अपने ही पूरक पुरुष को पछाड़ना उसका मानस नहीं है, उनसे आगे निकल जाना उसका ध्येय नहीं है, वह तो समाज में अपना एक वजूद चाहती है, एक पहचान चाहती है, जो उसकी अपनी हो। क्यों समाज कृपण और कंगाल हो जाता है, जब कुछ उसे देने की बात आती है, जिसने अपने पृथ्वी पर आगमन से ही सिर्फ और सिर्फ दिया है, लिया कुछ नहीं।

मुट्ठी भर आसमान, एक चुटकी धूप, अंजुरी भर हवा और थोड़ी-सी जमीन, जहां वह अपने कदमों को आत्मविश्वास के साथ रख सके। बस इससे अधिक तो कभी नहीं चाहा उसने! फिर क्यों उसके उत्थान के उज्ज्वल सूर्य को अर्घ्य देने में सारे समाज का समंदर थरथरा उठता है? क्यों उसके विस्तार की धरा को अभिस्पर्शित करने में समाज के हाथ पंगु हो जाते हैं और क्यों उसके विराट महत्व को स्वीकारने में सारा समाज संकीर्ण हो जाता है?

कई रिश्तों में बंधी लेकिन सबको जीती हुई.मां, पत्नी, प्रेमिका, मित्र, बहू, बेटी, बहन, ननद, भाभी, देवरानी, जेठानी, चाची, ताई, मामी, बुआ,मौसी, दादी, नानी, बॉस, सहकर्मीअनंत सूची है..मीठे, मोहक रिश्तों को अपने आंचल में बांधे तलाशती है वह खुद को। वह मिलती है खुद से। रिश्तों के इतने सुरीले-सुरम्य आंगन में खड़ी वह बनाती है एक रिश्ता अपने आप से। जी हां, नायिका का एक रिश्ता और है और वह है खुद का खुद से। स्वयं का स्वयं से। अपना सबकुछ देने के बाद भी वह बचा कर रखती है खुद को खुद के लिए। वह नहीं भूलती उस खूबसूरत रिश्ते को जो उसका उससे है।

यह रिश्ता नायिका का उससे परिचय करवाता है। यही रिश्ता कहता है उससे, खुद में ही झांकने के लिए। कितने मधुर सपने हैं उसके भीतर जो साकार होने के लिए कसमसा रहे हैं। यह रिश्ता उसे चुनौती देता है, ऐसा क्या है जो वह नहीं कर सकती? फिर यही कहता है उससे-सब कुछ तो कर सकती हो तुम।

यह रिश्ता उसका उस पर ही विश्वास स्थापित करता है.और वह जीत जाती है दुनिया की हर जंग। वह अपने आप से लड़ती भी है, वह अपने आप से प्यार भी करती है। वह अपने आप का सम्मान भी करती है। यही रिश्ता समझाता है उसे-खुद के लिए वह क्या है और उसकी जिंदगी के क्या मायने हैं। क्या आपका है अपने आपसे यह रूहानी रिश्ता? ढेर सारे रिश्तों के बीच बनाएं एक गहरा, नाजुक, मधुर और मजबूत रिश्ता अपने आप सेक्योंकि आप नायिका हैं अपनी ही जिंदगी पर बनी अपनी ही फिल्म की आप महानायिका हैं।

कब शुरू हुआ और आखिर क्या है विश्व महिला दिवस का इतिहास?

विश्व अंतर्राष्ट्रीय दिवस 8 मार्च को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। यह महिलाओं के लिए अब एक उत्सव के रूप में बदल गया है। इस मौके पर कई तरह के आयोजन किए जाते हैं, लेकिन इसकी शुरुआत और इतिहास को लेकर भी कई दिलचस्प पहलू हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर महिलाओं से जुडे इस उत्सव की शुरुआत कब हुई और क्या है इसका इतिहास।

दरअसल, समानाधिकार के लिए महिलाओं की लड़ाई के बाद इसे मनाने की परंपरा शुरू हुई। प्राचीन ग्रीस में लीसिसट्राटा नाम की एक महिला ने प्रेंच क्रांति के दौरान युद्ध समाप्ति की मांग रखते हुए इस आंदोलन की शुरूआत की थी। फारसी महिलाओं के एक समूह ने वरसेल्स में इस दिन एक मोर्चा निकाला। इस मोर्चे का मकसद युद्ध की वजह से महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार को रोकना था। साल 1909 में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ अमेरिका ने पहली बार पूरे अमेरिका में 28 फरवरी को महिला दिवस मनाया था।

सन 1910 में सोशलिस्ट इंटरनेशनल द्वारा कोपनहेगन में महिला दिवस की स्थापना हुई। 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विटजरलैंड में लाखों महिलाओं द्वारा रैली निकाली गई। मताधिकार, सरकारी कार्यकारिणी में जगह, नौकरी में भेदभाव को खत्म करने जैसी कई मुद्दों की मांग इस रैली में की गई। 1913-14 प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, रूसी महिलाओं द्वारा पहली बार शांति की स्थापना के लिए फरवरी माह के अंतिम रविवार को महिला दिवस मनाया गया। यूरोप में भी युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन हुए। 1917 तक विश्व युद्ध में रूस के 2 लाख से ज्यादा सैनिक मारे गए, रूसी महिलाओं ने फिर रोटी और शांति के लिए इस दिन हड़ताल की। हालांकि राजनेता इसके खिलाफ थे, फिर भी महिलाओं ने एक नहीं सुनी और अपना आंदोलन जारी रखा और फलतः रूस के जार को अपनी गद्दी छोड़नी पड़ी और सरकार को महिलाओं को वोट देने के अधिकार की घोषणा करनी पड़ी। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता, सामाजिक, राजनैतिक व आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है जिन्होंने महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। भारत में भी महिला दिवस व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है। पूरे देश में इस दिन महिलाओं को समाज में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। समाज, राजनीति, संगीत, फिल्म, साहित्य, शिक्षा क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए महिलाओं को सम्मानित किया जाता है। गरीब महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

अपनी सोच से समाज में सकारात्मकता का निर्माण कर सकती है स्त्री

घर से लेकर ऑफिस तक। राजनीति से लेकर समाज तक। यह वह दौर है जब महिलाएं हर क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम कर रही हैं। कई मामलों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ठीक इसी तरह सांप्रदायिकता और अराजकता के इस माहौल में भी महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, दरअसल, महिलाएं अपने बच्चों, पति और घर के अन्य पुरुषों को अपनी सकारात्मक सोच और विचार से प्रभावित कर सकती हैं। इसमें कोई संशय नहीं कि किसी भी पुरुष और बच्चे में सकारात्मक सोच की शुरुआत घर से ही होती है। बच्चा घर में जैसा माहौल देखेगा या उसके परिजन खासतौर से मां जो उसे सिखाएगी, जिन विषयों पर उससे चर्चा करेगीं, वही आगे चलकर उसके विचारों में शामिल होगा। ठीक इसी तरह पुरुषों की सोच, विचार और मानसिकता को भी घर की महिलाएं बहुत हद तक नियंत्रित या यूं कहें कि प्रभावित कर सकती हैं। महिलाओं की भूमिका को इस सकारात्मक परिपेक्ष्य में इसलिए भी देखा जाना चाहिए क्योंकि शारीरिक तौर के साथ ही मानसिक तौर पर भी उन्हें 'सॉफ्ट' माना जाता है। वे कई विषयों को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं। ऐसे में जब समाज में कोई अराजक स्थिति पैदा होती है तो सबसे पहले महिलाओं से उनकी संवेदनशीलता के पैमाने पर ही अपेक्षा की जाती है। हालांकि शाहीन बाग इस मामले में अपवाद है। यहां महिलाओं की तय छवि से अलग तस्वीर नजर आई। यह सही है कि यहां महिलाएं अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए प्रदर्शन में शामिल हुईं हैं, लेकिन अपने मासूम बच्चों को इसमें शामिल करना, उन्हें ऐसे आंदोलनों का हिस्सा बनाना महिलाओं की छवि से अलग छवि को गढता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी जगह बनाई है, लेकिन सामाजिक जागरुकता के परिपेक्ष्य में भी महिलाओं के लिए जरुरी है कि वे अपनी ताकत को फिर से पहचाने, अपने स्त्री पक्ष से घर में, समाज में और अपने कार्यक्षेत्र में अपनी सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

नए युग की नई नारी ने प्रगति की, पर सम्मान नहीं बढ़ा

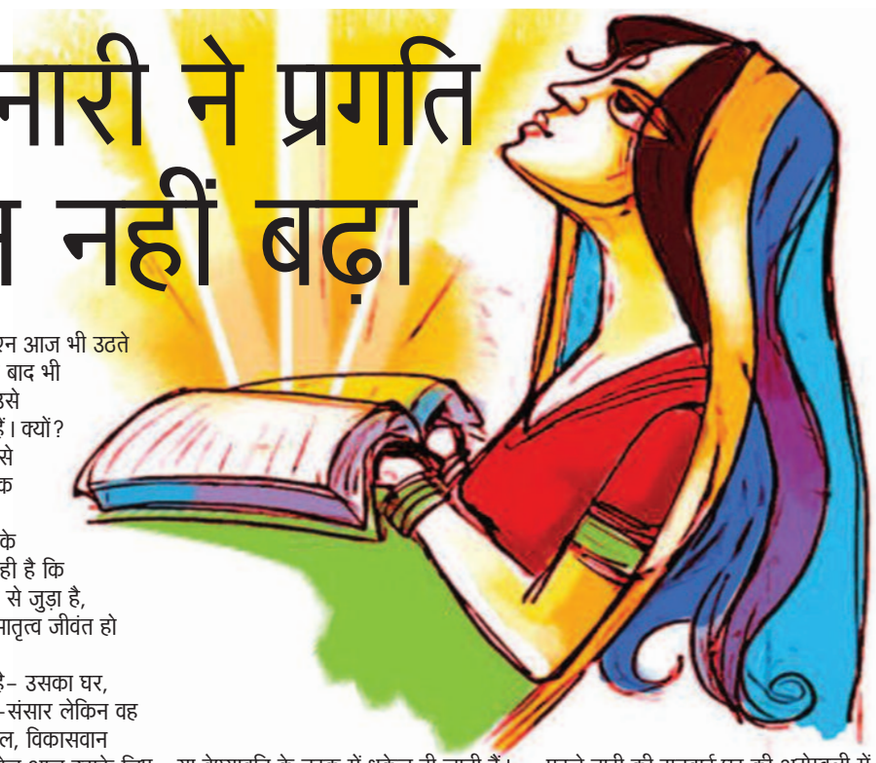

नए युग की नारी के पास कामयाबी के उच्चतम शिखर को छूने की अपार क्षमता है। उसके पास अनगिनत अवसर भी हैं। जिंदगी जीने का जज्बा उसमें पैदा हो चुका है। दृढ़ इच्छाशक्ति एवं शिक्षा ने नारी मन को उच्च आकांक्षाएं, सपनों के सप्तरंग एवं अंतर्मन की परतों को खोलने की नई राह दी है। निःसंदेह आज की नारी की भूमिका में तीव्रता से परिवर्तन हुआ है।

पहले वह घर की रानी थी, फिर उत्तम कार्यों में संलग्न होकर समाज कल्याण में प्रवृत्त हुई और आज वह राजनीतिज्ञों एवं प्रशासकों की सामाजिक भूमिका में उतरी है। तथापि हम इस तथ्य से भली-भांति अवगत हैं कि नारी की पारंपरिक भूमिका का अतिक्रमण होना अभी शेष है और कि उसके विरुद्ध पूर्वाग्रह आज भी सदा की भाँति प्रबल हैं।

इस सदी की नारी समाज में 'टेक ओवर' करने के रूप में उभरी है। उसने कड़ी मेहनत से बहुत तरक्की की है, पर उसका समाज में सम्मान नहीं बढ़ा। उसके वजूद से जुड़े प्रश्न आज भी उठते हैं। सबकुछ हासिल करने के बाद भी उसका नाम,उसकी तरक्की उसे खोखला महसूस करा जाते हैं। क्यों? क्योंकि पुरुष वैज्ञानिक रूप से चांद पर पहुंचकर भी मानसिक रूप से रसातल में ही है।

'नारी के सतीत्व और पुरुष के पुरुषत्व में अंतर मात्र इतना ही है कि स्त्री का सतीत्व उसके शरीर से जुड़ा है, जिसके भंग होते ही उसका मातृत्व जीवंत हो उठता है।

नारी की दुनिया में सबकुछ है- उसका घर, परिवार, नाते-रिश्ते, समाज-संसार लेकिन वह स्वयं कहां है? एक सृजनशील, विकासवान व्यक्तित्व के रूप में? यह खोज आज उसके लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह उसके अस्तित्व का सवाल है और यह सवाल बहुत नाजुक है। नारी जो मां है, बहन है, बेटी है, पत्नी है उसके हिस्से में अभी भी चूल्हे, धुएं, बिस्तर, बच्चे, बर्तन, दहलीजें हैं। वह सिर्फ निर्णय मानने वाली एक छोटी और दास इकाई है। अधिकांशतः ग्रेजुएशन करने वाली लड़कियों में यही भाव प्रमुख होता है कि घर में खाली बैठने से तो कॉलेज जाना बेहतर है। हजारों महिलाएं हर बरस देवदासी बना दी जाती हैं या वेश्यावृत्ति के नरक में धकेल दी जाती हैं। जीवन से मोहभंग की स्थिति झेलने को वह तैयार नहीं है। अपने अंदर नारी शक्ति की ऊर्जा को समेटती उलझनों को वह बाहर निकाल फेंकने लगी है। यह सब इसलिए नहीं कि माहौल में'स्त्री विमर्श' घुल रहा है बल्कि यह सब इसलिए कि नारी अब रोने, बिसूरने के मूड में नहीं है। दोयम दर्जे को लेकर उसका नजरिया नहीं, कभी नहीं जैसा हो चला है।

इक्कीसवीं सदी की 'न्यू वुमन' अपने प्रति समाज की भावनाओं, प्रतिक्रियाओं में बदलाव चाहती है। रिश्तों-संबंधों में सुख का सृजन, निरंतर व्यवहृत उष्मा बनाए रखने का सबल मन, पुरुष के साथ समभाव का आधार चाहती है, जिसकी शुरुआत घर से ही होती है। घर का कैसा भी कोई काम हो, सबसे पहले नारी की सुनवाई घर की असेम्बली में तो हो। पुरुष अपनी सर्वश्रेष्ठता और महानता से जुड़ी 'मेल-डोमिनेंस' से बाहर निकले यही आज के समाज के लिए बेहतर होगा। जब जीवन में निराशा या कोई समस्या अपनी भाषा में बोलती है तो उसे निर्जीव होने की अनुभूति से बचाए। एक जीवंत संवेदना कल-कल, छल-छल-सी बहती रहे। नारी आज परछाई बनकर जीना नहीं चाहती, वह भी खुली हवा में साँस लेना चाहती है। बिना किसी भू-चाल का इंतजार किए उसकी पूरी गरिमा, आजादी से जीने की सृजित परिस्थितियाँ ही सजग समाज का नारी को अवदान होगा। स्त्री की सिरजना, समाज में स्थान पाना महज एक भावयात्रा नहीं, उसके साथ युगबोध के कई-कई सवाल गहराई से जुड़े हैं।

अल्लू अर्जुन ने किया सलमान खान को रिप्लेस

बॉलीवुड के भाईजान से मशहूर अभिनेता सलमान खान को बहुत बड़ा झटका लगा है। निर्देशक एटली उनकी जगह अब अल्लू अर्जुन को करेंगे कास्ट, इस फिल्म में एक नहीं बल्कि तीन-तीन अभिनेत्रियां आएंगी नजर।

600 करोड़ होगा बजट

रिपोर्ट के मुताबिक निर्देशक एटली कुमार की आने वाली फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सलमान खान नहीं नजर आएंगे। एक्टर सलमान की जगह 'पुष्पा' फेम एक्टर अल्लू अर्जुन अब इस फिल्म में होंगे कास्ट। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार निर्देशक एटली पहले सलमान खान के साथ पुनर्जन्म थीम पर आधारित 600 करोड़ रुपये बजट की एक्शन फिल्म लेकर आने वाले थे। अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है।

सलमान की फिल्मों ने डाला गहरा प्रभाव

रिपोर्ट के अनुसार अभिनेता सलमान खान की पिछली फिल्मों के प्रदर्शन के कारण एटली ने उन्हें इतनी बड़ी फिल्म में ना कास्ट करने का फैसला किया है। मल्टीस्टारर वाली इस फिल्म में सन पिक्चर्स इसे फंडिंग करने का मन बना रहा है। पहले निर्देशक सलमान खान और रजनीकांत के साथ इस फिल्म को बनाना चाहते थे। अब इसकी योजना बदलते हुए एटली न अल्लू अर्जुन को कास्ट कर लिया है और दूसरे अभिनेता की खोज में हैं।

एक-दो नहीं बल्कि तीन अभिनेत्रियां आएंगी नजर

निर्देशक एटली कुमार की आगामी एक्शन फिल्म में तीन अभिनेत्रियां नजर आने वाली हैं। इसमें जान्हवी कपूर का नाम बतौर मुख्य भूमिका में सबसे आगे है। इस बड़े बजट फिल्म की शूटिंग साल के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। अभी इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

यामी गौतम ने बताया, क्यों नहीं की बड़े बजट की फिल्म

अभिनेत्री यामी गौतम ने कई मुद्दों पर खुलकर बात की। इस दौरान बताया कि उन्होंने बड़े बजट की फिल्मों को ना करने का फैसला क्यों लिया और ऐसी फिल्में क्यों ठुकरा दिया। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने हमेशा कंटेंट-ड्रिवेन सिनेमा को प्राथमिकता दी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किसी बड़ी फिल्म को अच्छी स्क्रिप्ट की कमी के कारण ठुकराया है, तो यामी ने कहा, हां। हालांकि, उन्होंने उस प्रोजेक्ट का नाम नहीं बताया, जिसे उन्होंने ठुकराया था। अपने निर्णय पर विचार करते हुए यामी ने बताया, हर निर्णय सोच-समझकर लिया जाता है। व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों ही तरह से मैं उन प्रोजेक्ट पर समय बिताने के लिए आभारी हूं जो वास्तव में मेरे साथ जुड़ते हैं, मैं कहानी के साथ जुड़ती हूं। अभिनेत्री ने अपने दर्शकों से मिले सम्मान और प्रशंसा के लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि दर्शक इसका सम्मान करते हैं और वे फिल्म के पैमाने के बजाय मेरे काम के लिए मेरी सराहना करते हैं। यामी गौतम ने यह भी बताया कि वह कैसी स्क्रिप्ट पसंद करती हैं।

इंटर रिलीजन मैरिज के बाद प्रियामणि हुई थीं ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार?

साउथ अभिनेत्री प्रियामणि ने 2017 में फिल्म मेकर मुस्तफा राज से शादी की थी। उनके लिए यह मौका जश्न मनाने का था, लेकिन उनकी इंटर रिलीजन मैरिज ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हो गईं। हाल ही में एक इंटरव्यू में प्रियामणि ने खुलासा किया कि सोशल मीडिया पर लव जिहाद के नाम पर मजाक ने उन्हें कितना परेशान किया।

शादी के बाद प्रियामणि को हुई काफी मुश्किलें

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू में प्रियामणि ने कहा, जब मैंने अपनी सगाई की अनाउंसमेंट की तो मैं बस इस खुशी के पल को उन लोगों के साथ शेयर करना चाहती थी। लेकिन मुझे नहीं पता कि किस वजह से बेवजह नफरत फैलनी शुरू हो गई और लव जिहाद के आरोप लगने लगे। कभी नहीं दिया

ऑनलाइन ट्रोलिंग का जवाब

प्रियामणि ने आगे कहा, मैं समझती हूं कि मैं मीडिया और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हूं। लेकिन आप किसी ऐसे व्यक्ति पर हमला क्यों करना चाहते हैं, जो इन चीजों का हिस्सा ही नहीं है? शुरुआत के 2 से 3 दिनों तक यह मुझ पर भारी पड़ा क्योंकि मुझे बहुत सारे संदेश मिलते रहे। अब भी, अगर मैं उनके साथ कुछ पोस्ट करती हूं, तो दस में से नौ कमेंट हमारे धर्म या जाति के बारे में होते हैं। हालांकि, प्रियामणि ने बताया कि उन्होंने कभी भी ऑनलाइन ट्रोल्स का जवाब नहीं दिया, क्योंकि वह उन्हें एक मिनट की प्रसिद्धि नहीं देना चाहती थीं।

काम की बात करें तो प्रियामणि को हाल ही में मलयालम थ्रिलर ऑफिसर ऑन ड्यूटी में देखा गया था, जो इस महीने की शुरुआत में रिलीज हुई थी। पिछले साल, वह हिंदी फिल्मों मैदान और आर्टिकल 370 में भी नजर आई थीं। वह अगली बार जन नायकन में नजर आएंगी।

नेपोटिज्म पर पहली बार बिग बी ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक बच्चन की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। बिग बी अक्सर ही अभिषेक के काम और उनकी एक्टिंग स्किल की तारीफ करते रहते हैं। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाले बिग बी ने अब सोशल साइट एक्स पर एक यूजर की पोस्ट पर कमेंट किया और अभिषेक को नेपोटिज्म को लेकर फैली नकारात्मकता का शिकार बताया है। दरअसल, एक्स पर एक पोस्ट में एक यूजर ने लिखा, अभिषेक बच्चन बेवजह परिवारवाद की नकारात्मकता का शिकार हुए हैं, जबकि उनके करियर में अच्छी फिल्मों की संख्या काफी ज्यादा है। इसी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बिग बी ने लिखा, मुझे भी ऐसा ही लगता है और सिर्फ इसलिए नहीं, क्योंकि मैं उनका पिता हूं। एक और पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए महानायक ने अभिषेक बच्चन की आने वाली फिल्म 'बी हैप्पी' में उनके काम की तारीफ की है। बिग बी ने लिखा, अभिषेक आप कमाल हैं। आप हर फिल्म के किरदार के साथ जिस तरह से तालमेल बिठाते हैं और किरदार में बदलाव लाते हैं, वो शानदार है।

फिल्म आई वांट टू टॉक के लिए भी की थी बेटे की सराहना

इससे पहले अमिताभ ने अभिषेक की फिल्म आई वांट टू टॉक में भी उनके काम की तारीफ की थी। उस दौरान बिग बी ने फिल्म को लेकर एक नोट में लिखा था, कुछ फिल्में आपका मनोरंजन करती हैं, कुछ फिल्में आपको उससे जुड़ने के लिए आमंत्रित करती हैं, आई वांट टू टॉक बस यही करती है। अभिषेक, आप अभिषेक नहीं हैं, आप फिल्म के अर्जुन सेन हैं। लोग जो कुछ भी कह रहे हैं, वो कहने दो। अभिषेक की आगामी फिल्म 'बी हैप्पी' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। डांस पर आधारित ये फिल्म कॉमेडी, ड्रामा, सपने और जुनून के भावों से भरपूर है। फिल्म एक अकेले पिता और बेटी के बीच प्यार, ख्याल और भावुक रिश्ते को दर्शाती है।

क्या एक-दूजे को डेट कर रहे हैं कार्तिक-श्रीलीला?

पुष्पा 2 में किसिक गाने में अपनी डांसिंग स्किल्स से सभी का दिल जीत चुकी श्रीलीला ने हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की फैमिली पार्टी में शिरकत की और वहां जमकर डांस भी किया। अब श्रीलीला का यह डांस वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। साउथ अभिनेत्री श्रीलीला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें वह जमकर डांस करती नजर आ रही हैं और साथ ही वहीं पर मौजूद कार्तिक उनका वीडियो बनाते नजर आ रहे हैं। दरअसल, यह वीडियो कार्तिक की फैमिली पार्टी का है, जिसमें दोनों के चेहरे पर एक-दूसरे की प्रजेंस की खुशी साफ झलक रही है। श्रीलीला का खुशी से नाचते हुए यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिससे इन दोनों की डेटिंग की अफवाहों को हवा मिल रही है। कथित तौर पर यह पार्टी कार्तिक की बहन से संबंधित एक जश्न था।

मस्त कलंदर गाने पर किया डांस

रेडिट के शेयर किए हुए इस वीडियो में श्रीलीला ने मस्त कलंदर गाने पर डांस किया। इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि श्रीलीला पार्टी में मौजूद बाकी सभी लोगों के साथ डांस कर रही हैं। वहीं पीछे कार्तिक आर्यन की हंसी साफ सुनाई दे रही है। दरअसल, यह पार्टी कार्तीक की बहन कृतिका तिवारी के लिए थी, जिन्होंने हाल ही में अपनी मेडिकल डिग्री हासिल की है और अब वह एक डॉक्टर बन गई हैं। साउथ अभिनेत्री श्रीलीला और कार्तिक आर्यन एक साथ एक अनाम फिल्म में नजर आने वाली हैं। वैसे यह आगामी फिल्म श्रीलीला की बॉलीवुड डेब्यू होगी। अनुराग बसु द्वारा निर्देशित इस फिल्म का टीजर पिछले महीने रिलीज किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की शूटिंग चल रही है।

आदर्श गौरव ने मुंबई में अपने संघर्ष के दिनों को याद किया

संघर्ष का दौर यकीनन कलाकार को निखारता है। दूसरे कई फिल्मी सितारों की तरह माय नेम इज खान, मॉम, द वाइट टाइगर, खो गए हम कहां में काम कर चुके एक्टर आदर्श गौरव को संघर्ष करना पड़ा।

अपनी ताजातरीन फिल्म सुपरबॉयज़ ऑफ मालेगांव में नासिर शेख जैसे वास्तविक किरदार से लोगों का दिल जीतने वाले आदर्श यहां अपने संघर्ष के दिनों को याद करते है। गौरव का कहना है कि उनका जो सबसे बड़ा संघर्ष था, वो उनकी ताकत बन गया। वे कहते हैं, हम जब मुंबई आए, तो पापा के क्वार्टर के भरोसे आए। मेरे पापा सेंट्रल बैंक में काम करते थे। उन्हें बैंक की तरफ से वो क्वार्टर मिला हुआ था। उस वक्त मैं तेरह साल का रहा होऊंगा, मगर फिर दो साल में हमें वो घर खाली करना पड़ा, क्योंकि पापा का ट्रांसफर छत्तीसगढ़ हो गया। वो घर जुहू में था, तो पहले दो साल हम लोग जुहू जैसे पॉश इलाके में रहे, मगर जब इसे खाली करना पड़ा, तब हमारे पास जुहू में किराए का घर लेने के पैसे नहीं थे। हमने घर की तलाश शुरू की। हम लोगों ने घर खोजना शुरू किया और अंधेरी, जोगेश्वरी, बोरीवली से होते-होते फाइनली हमें घर मिला दहिसर के रावल पाड़ा में। उस घर का किराया 13-14 हजार था, जिसे मेरे पैरेंट्स अफोर्ड कर सकते थे। उसके बाद ये होने लगा कि हर साल डेढ़ साल में मेरा घर बदल जाता था।

कील ठोकने के लिए भी मकान मालिक की परमिशन लेनी पड़ती थी

सच कहूं, तो वो घर का कॉन्सेप्ट मेरे लिए खत्म हो चुका था। अभी हम एक जगह से शिफ्ट होकर दूसरी जगह पर सेटल हो भी नहीं पाते थे कि हमें वहां से सेटल होना पड़ा, तो एक तरह से हम लोग बंजारों की तरह जी रह थे। अभी हमारी जड़ें किसी जगह पर जम रही होती थीं कि हमें उखाड़कर एक और नई जगह पर जाना पड़ता था। उसके पीछे भी पैसे बड़ा कारण थे। साल भर में उस जगह का रेंट बढ़ जाता था, जो हमारी हैसियत से ज्यादा होता था और फिर हमें घर बदलना पड़ता था। घर को लेकर जो सेफ्टी और सुरक्षा होती है, वो मैंने उन सालों में कभी महसूस ही नहीं की। किराए के घर में रहने पर रेंट का स्ट्रेस तो रहता ही था, मगर फिर एक कील तक ठोकने के लिए मकान मालिक की परमिशन लेनी पड़ती थी। दहिसर शिफ्ट होने के बाद मैं स्कूल के दोस्तों से भी कट गया था, क्योंकि वे सभी इस तरफ का प्लान बनाते थे और उन्हें लगता था कि मैं तो इतनी दूर से आ ही नहीं पाऊंगा। मेरा स्कूल लीलावती पोद्दार खार में था और मेरा कॉलेज (नरसी मोनजी) जुहू में था। सालों तक मैं बसों और ट्रेन से सफर करके जुहू अपने स्कूल आया हूं। वो वाकई मेरे लिए काफी संघर्ष भरा रहा।

बस और ट्रेन का संघर्ष अभिनय में काम आया

माय नेम इज खान, मॉम, द वाइट टाइगर, खो गए हम कहां जैसी कई फिल्मों और गन्स और गुलाब्स जैसी वेब सीरीज में नजर आ चुके गौरव को बचपन में पता ही नहीं था कि वे अभिनय कर करना चाहते हैं। वे कहते हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अभिनय के क्षेत्र में आऊंगा, मगर मुझे लोगों और उनकी बातों में काफी रुचि थी। मैं अक्सर उनकी बातें सुना करता था। अलग-अलग जगहों में रहने और बस-ट्रेनों से सफर करने के दौरान मुझे विभिन्न लोगों से मिलने का मौका मिला। उन बातों और किरदारों को मैंने अपने भीतर जज़्ब कर लिया है। यही वजह है कि जब मुझे अलग-अलग किरदार करने के ऑडिशन का प्रस्ताव मिलता है, तो चाहे वो जुहू गली का टपोरी लड़का हो या बांदरा का पॉश युवा, मैं हर तरह के रोल कर पाता हूं। संघर्ष का वो दौर आज मेरे ऑडिशन में काम आता है, मेरे द्वारा अभिनीत किरदारों को निभाने में मददगार साबित होता है।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्रा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673